दैनिक समसामयिकी (Daily Current Affairs)

8 December 2020

by - Varun Pachauri

Subscribe to Unacademy Plus

For 10% OFF Use Code

CIVILHINDIPEDIA

Unacademy Learning App

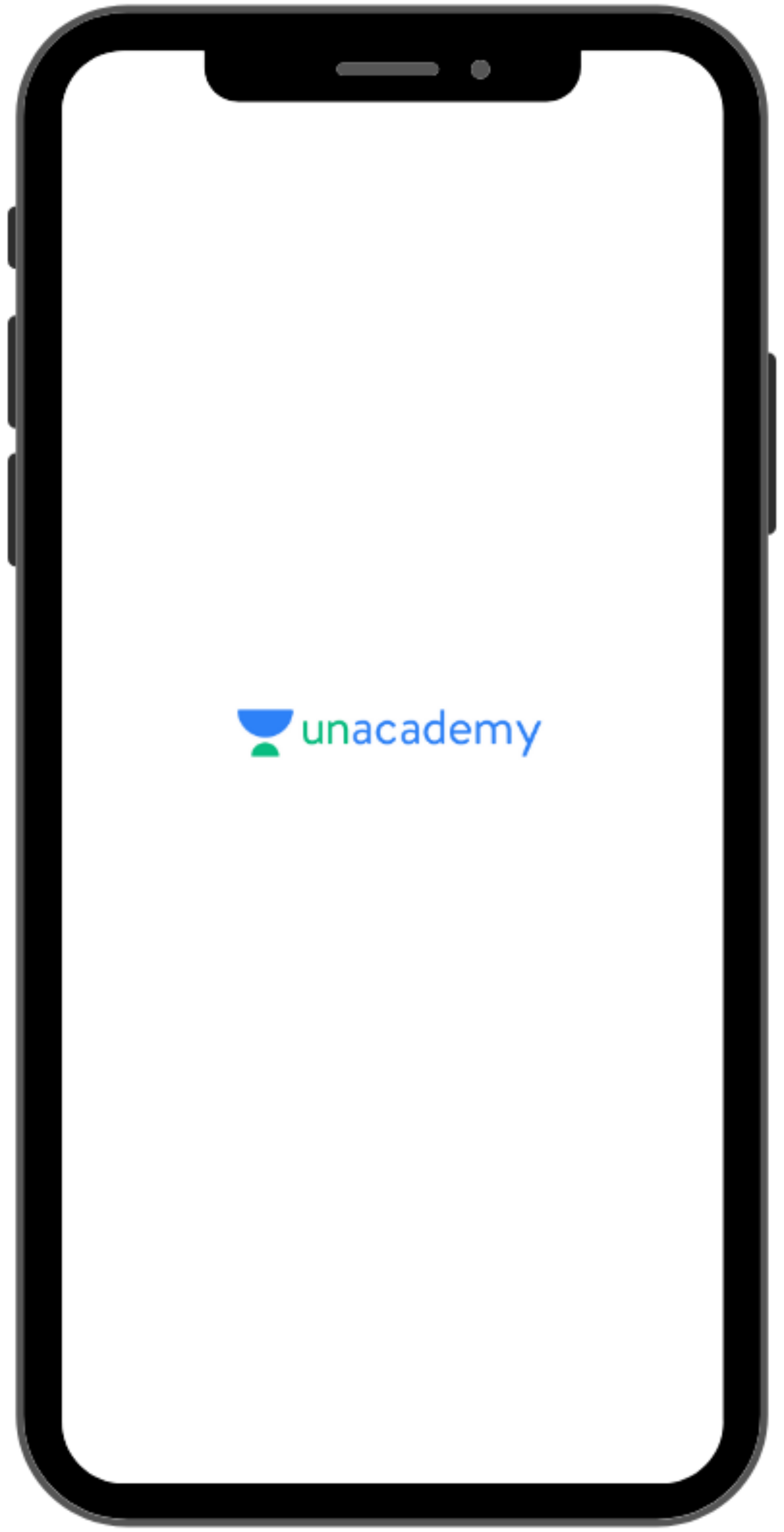

- Structured Batches with Top Educators
- Batches in Hindi, English and Bilingual
- Late night as well as 2 year batches
- 100% syllabus coverage
- Vast range of Optionals
- Prelims Test series with evaluation
- Mains Test Series with evaluation
- Dedicated Doubt Clearing Classes
- Daily Current Affairs Practice
- Essay & Answer Writing Practise
- Performance Analysis
- Sectional Quizzes
- Interview Preparation

Plus UPSC CSE Subscription

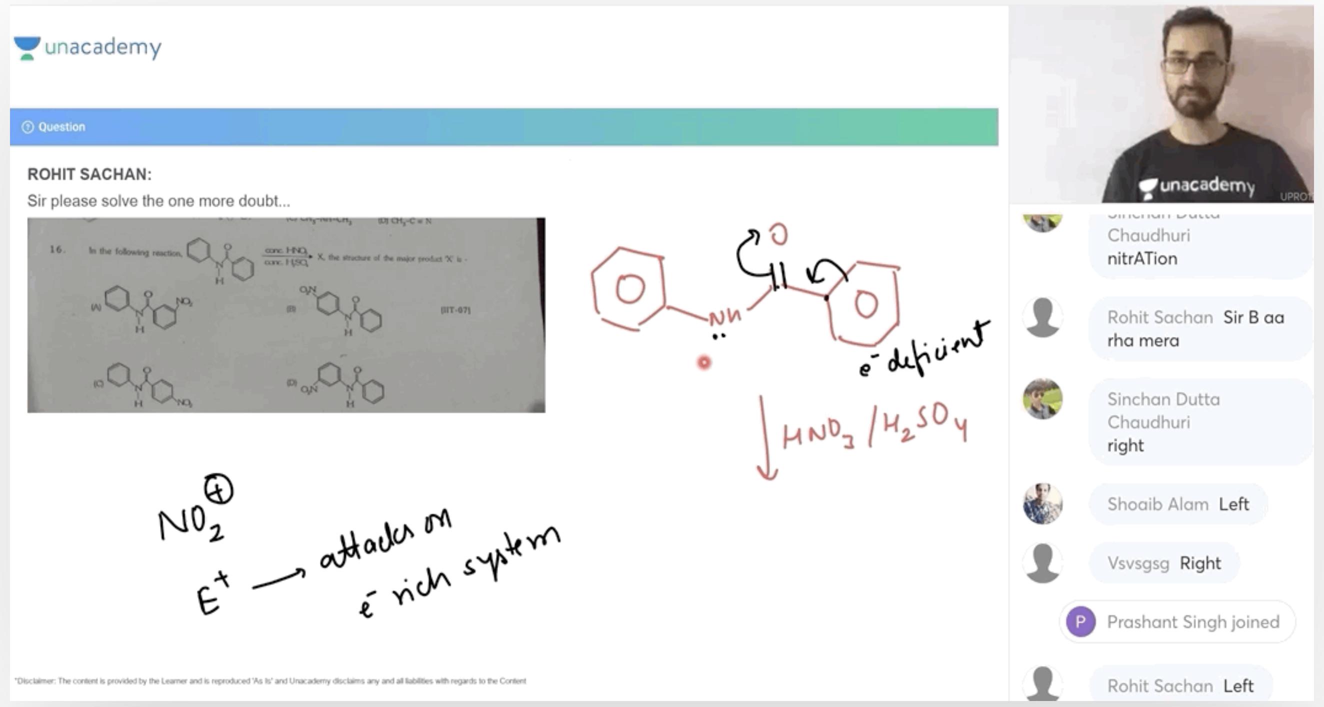

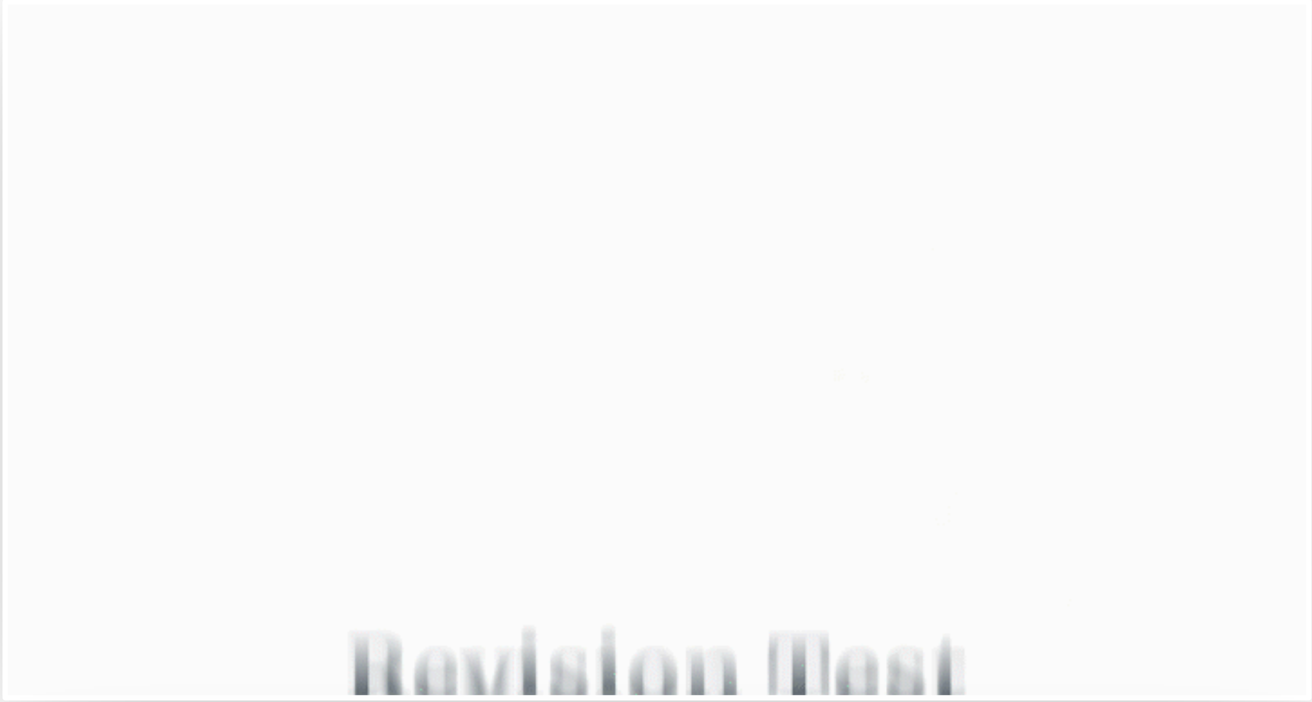

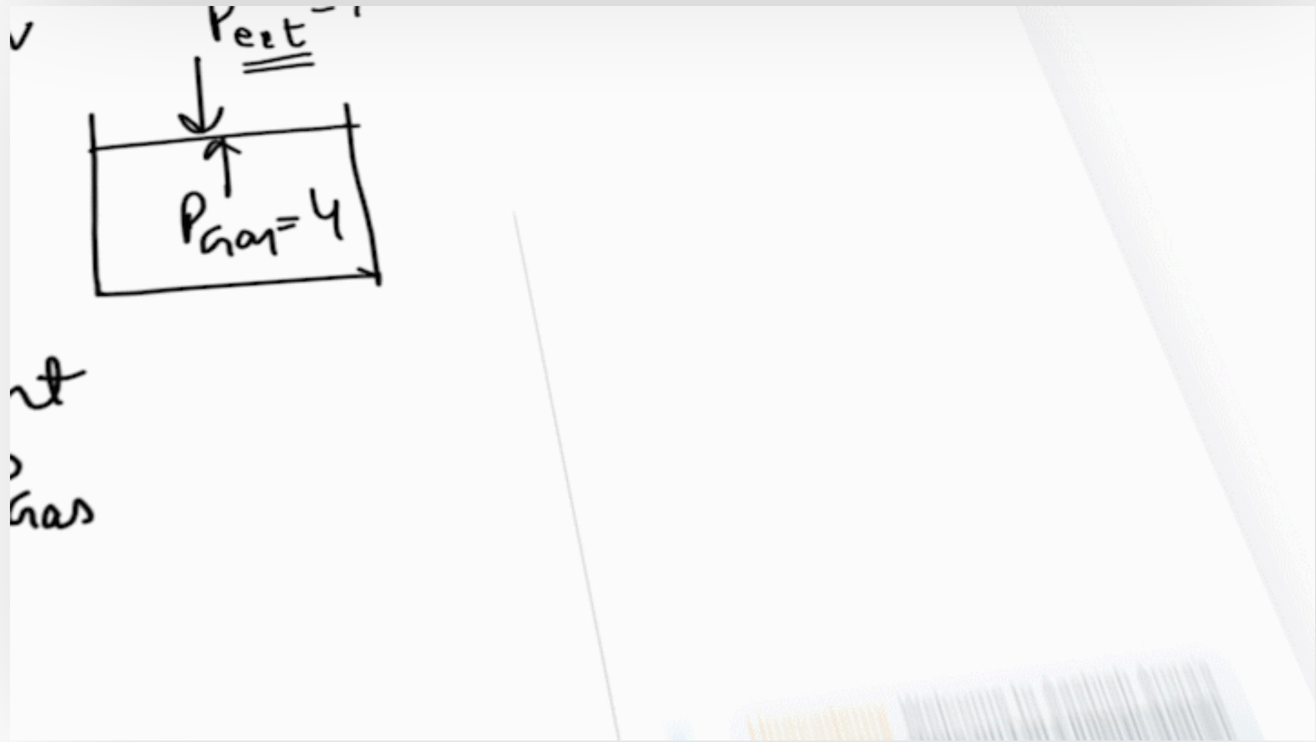

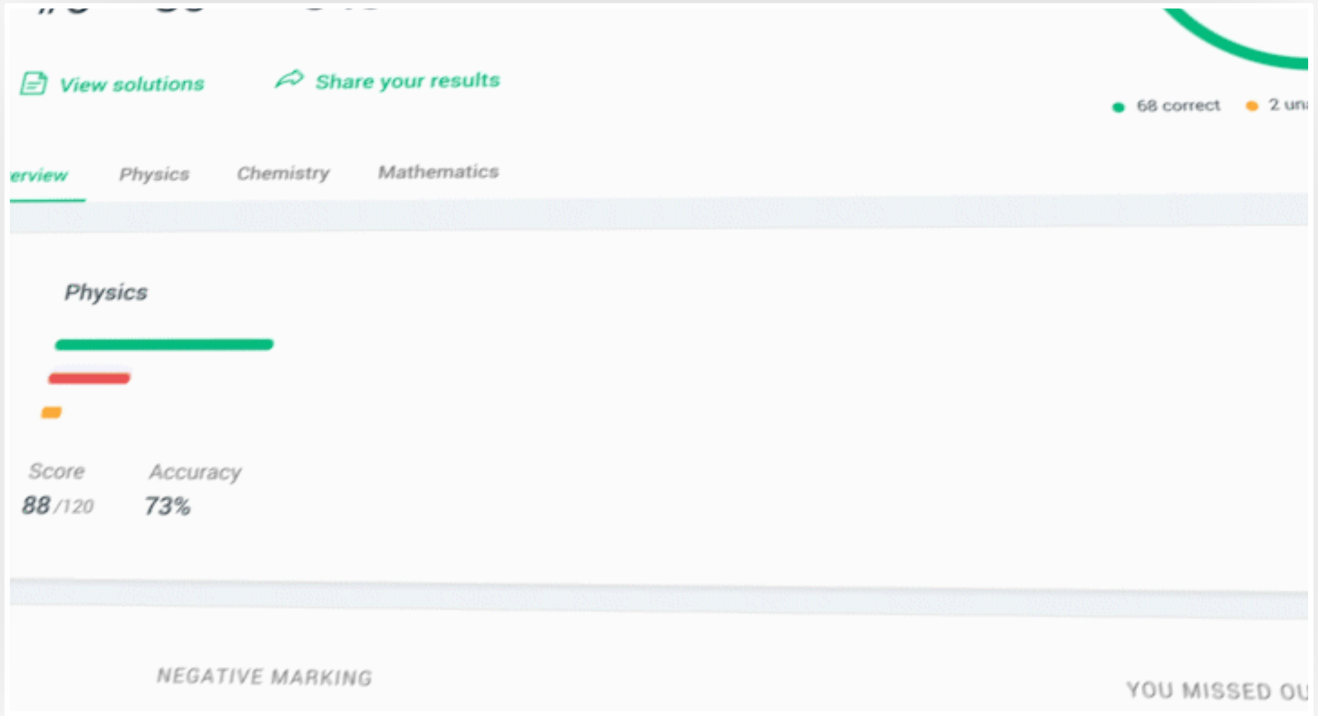

- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

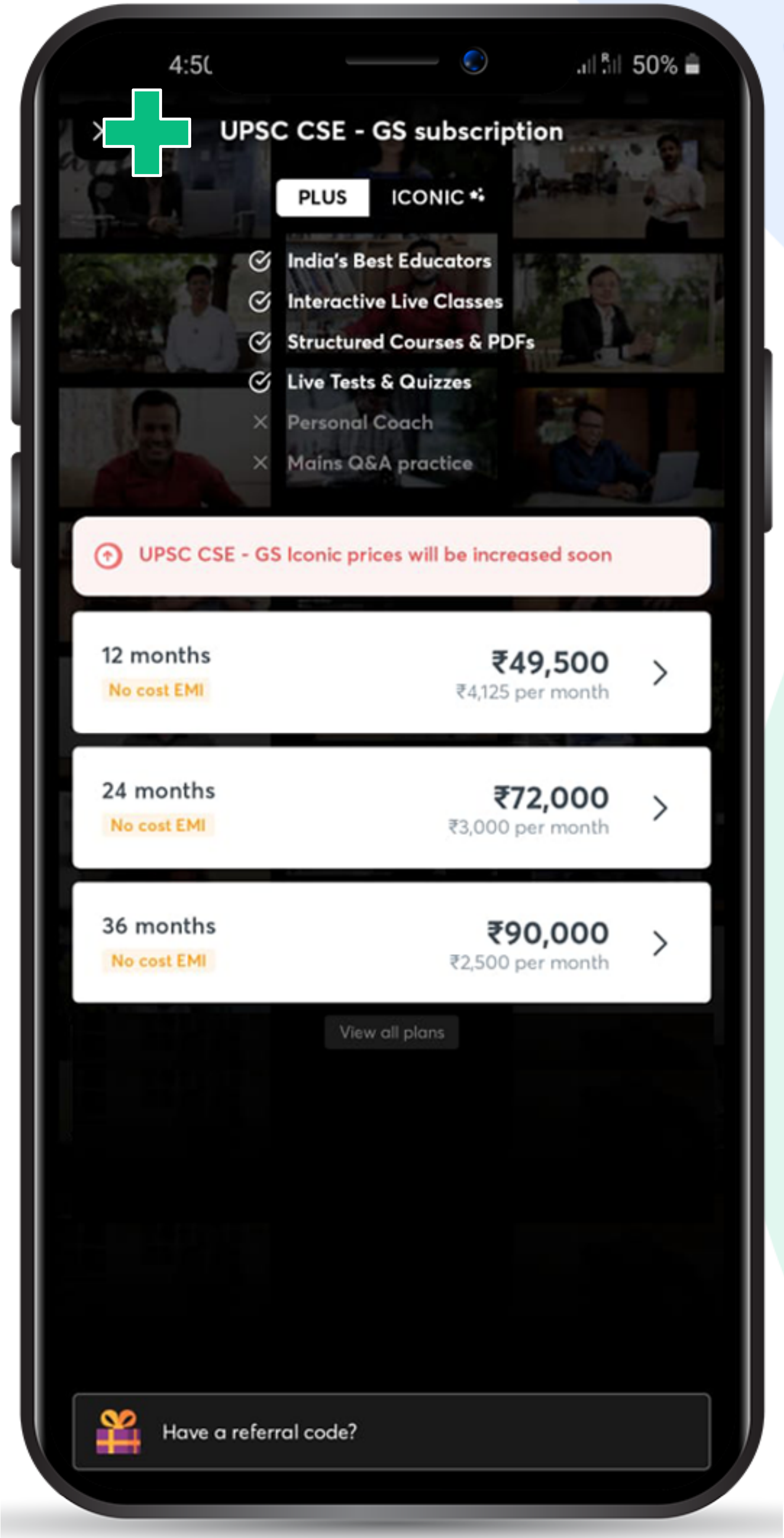

Iconic UPSC CSE Subscription

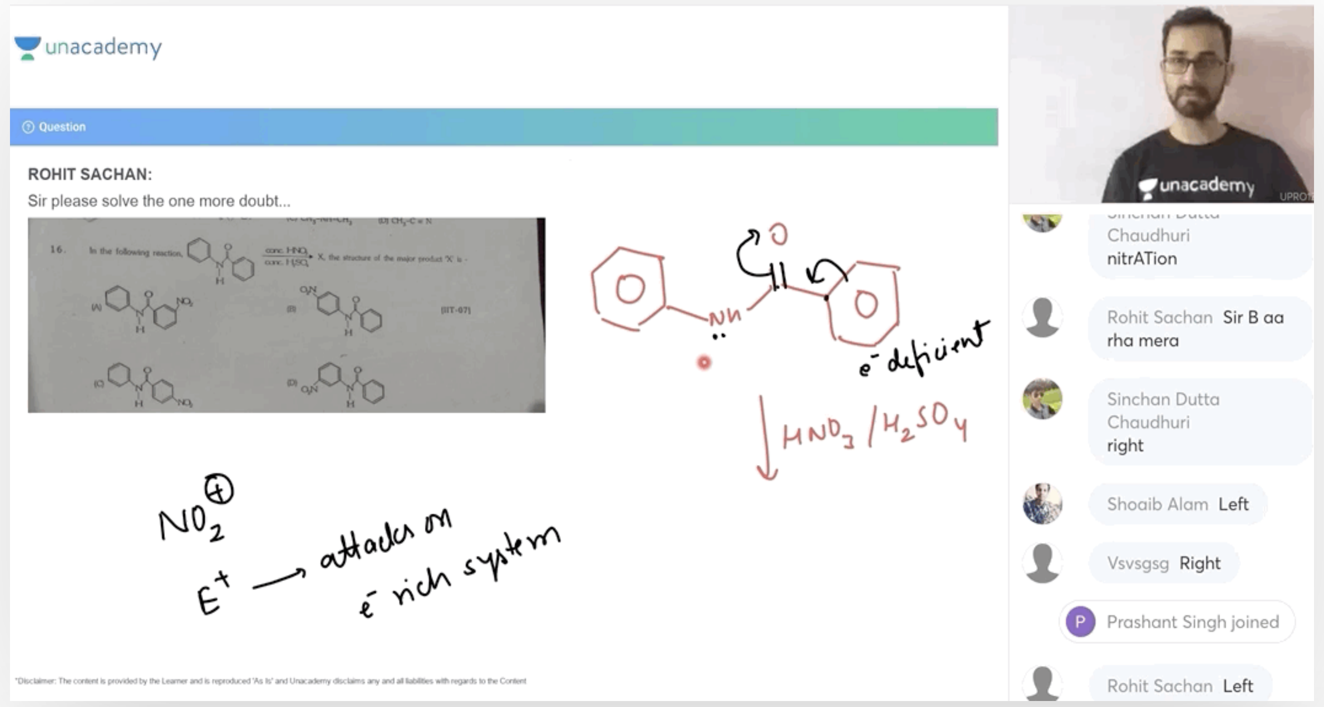

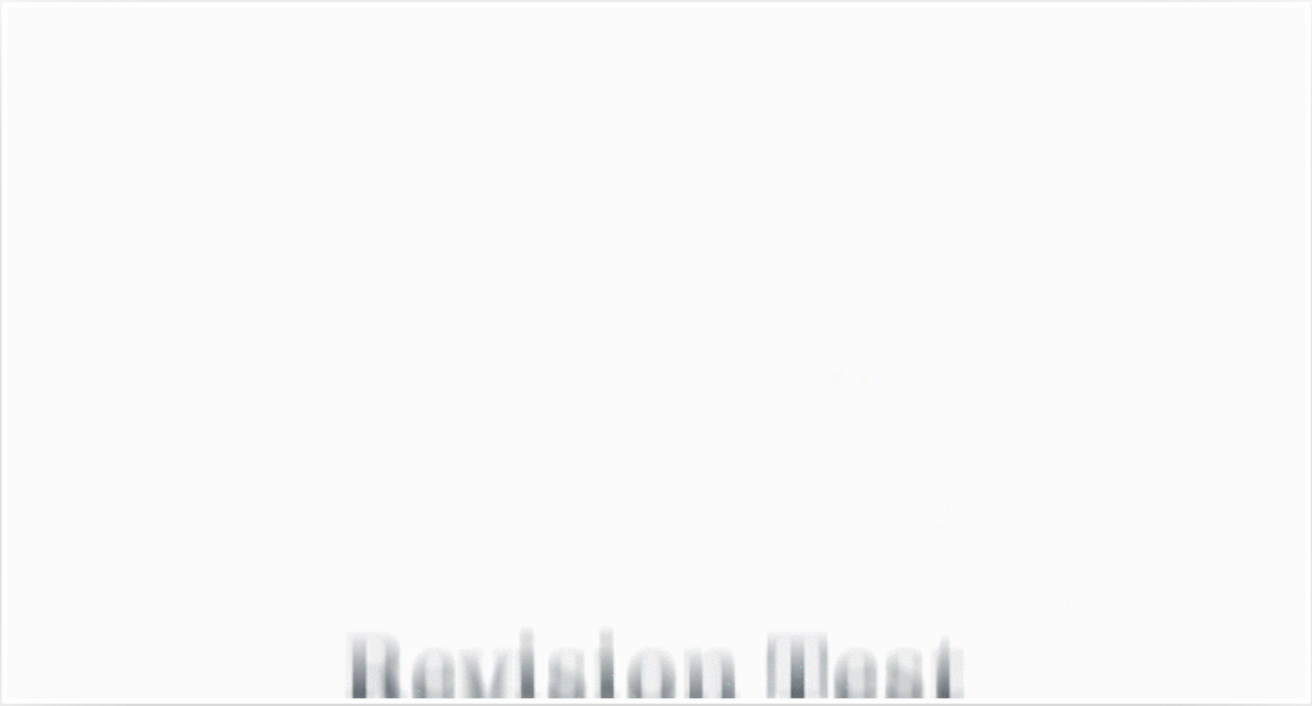

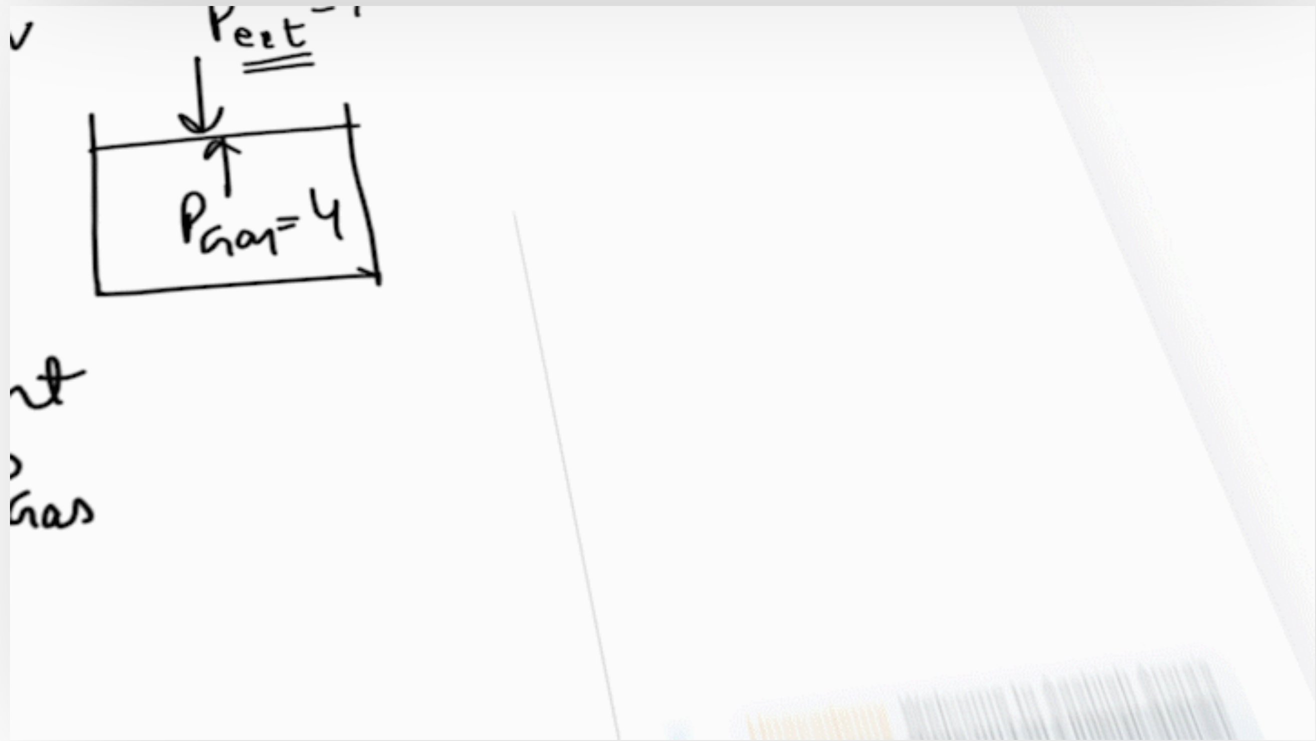

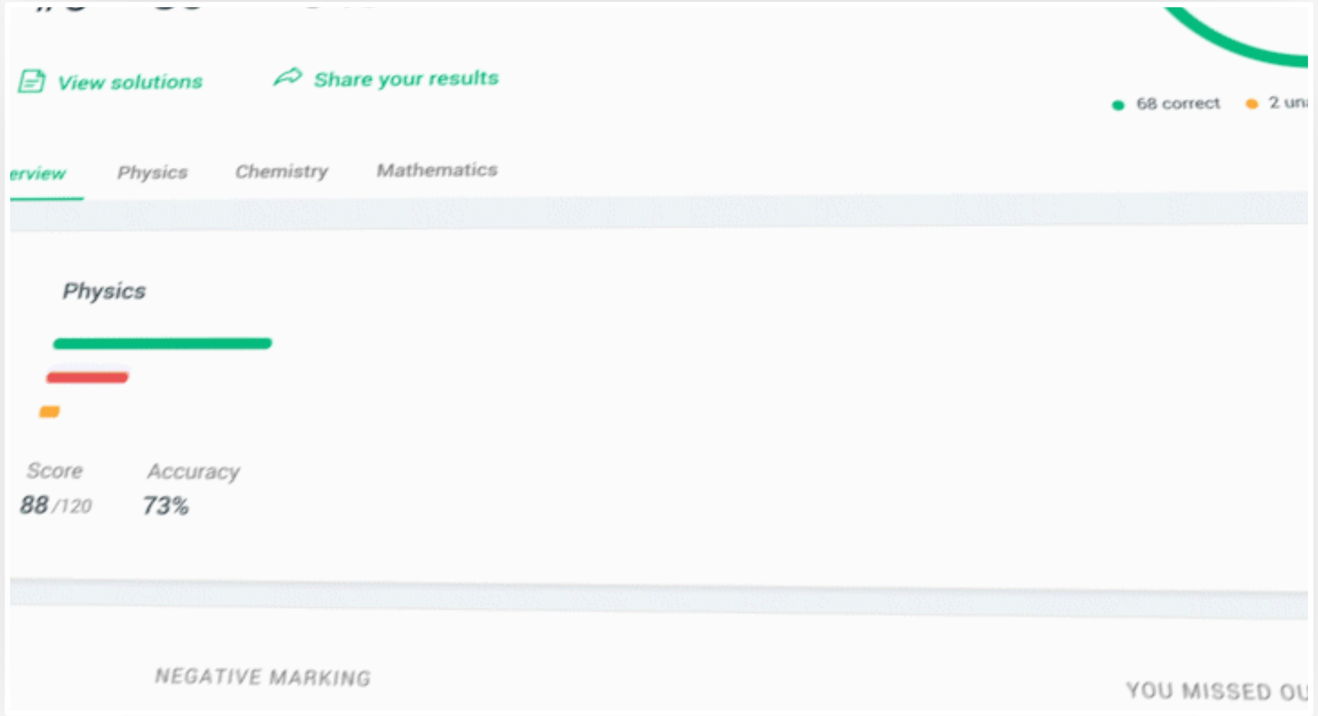

- Personal Coach
- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

Get Subscription Now

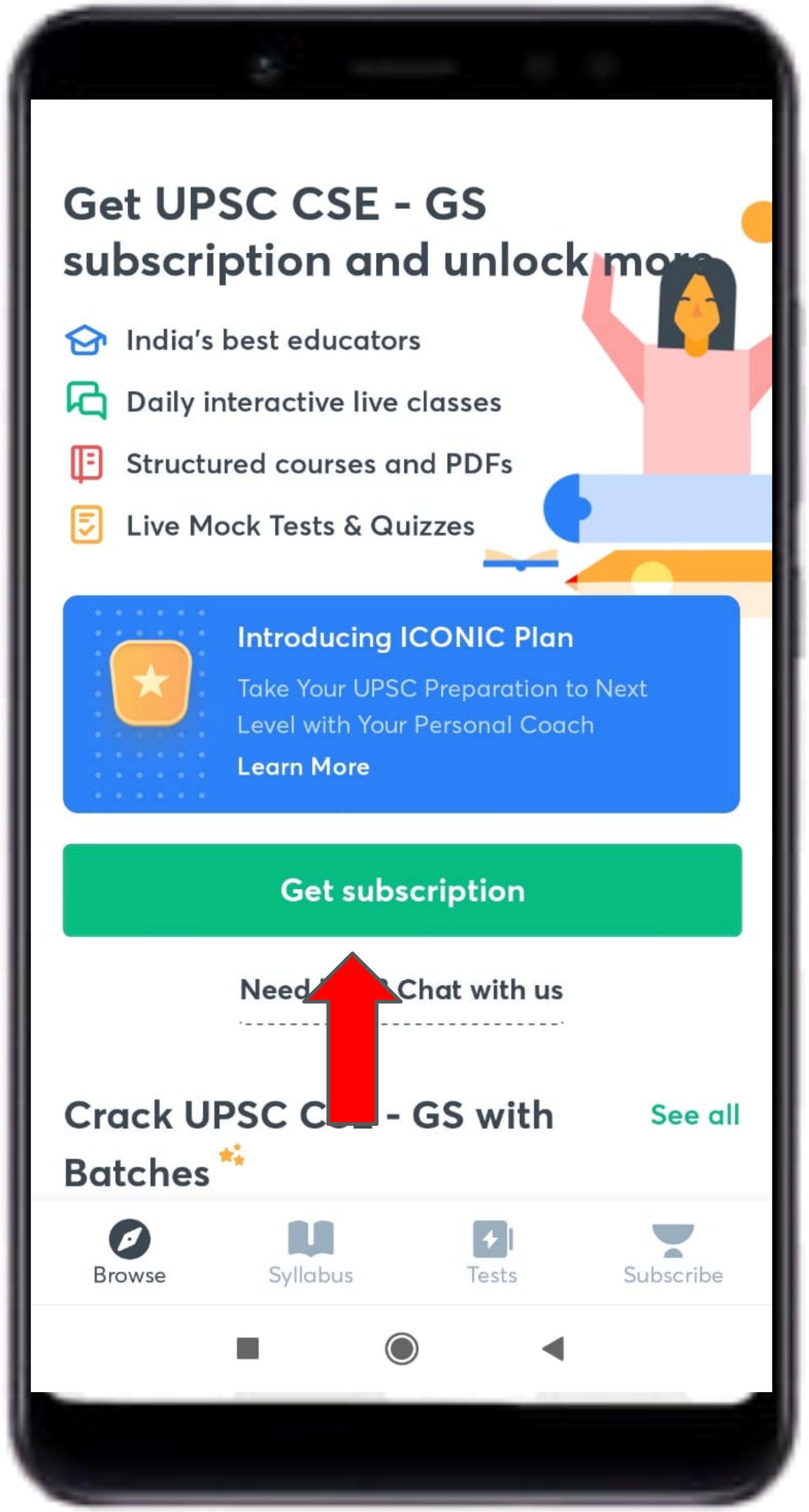

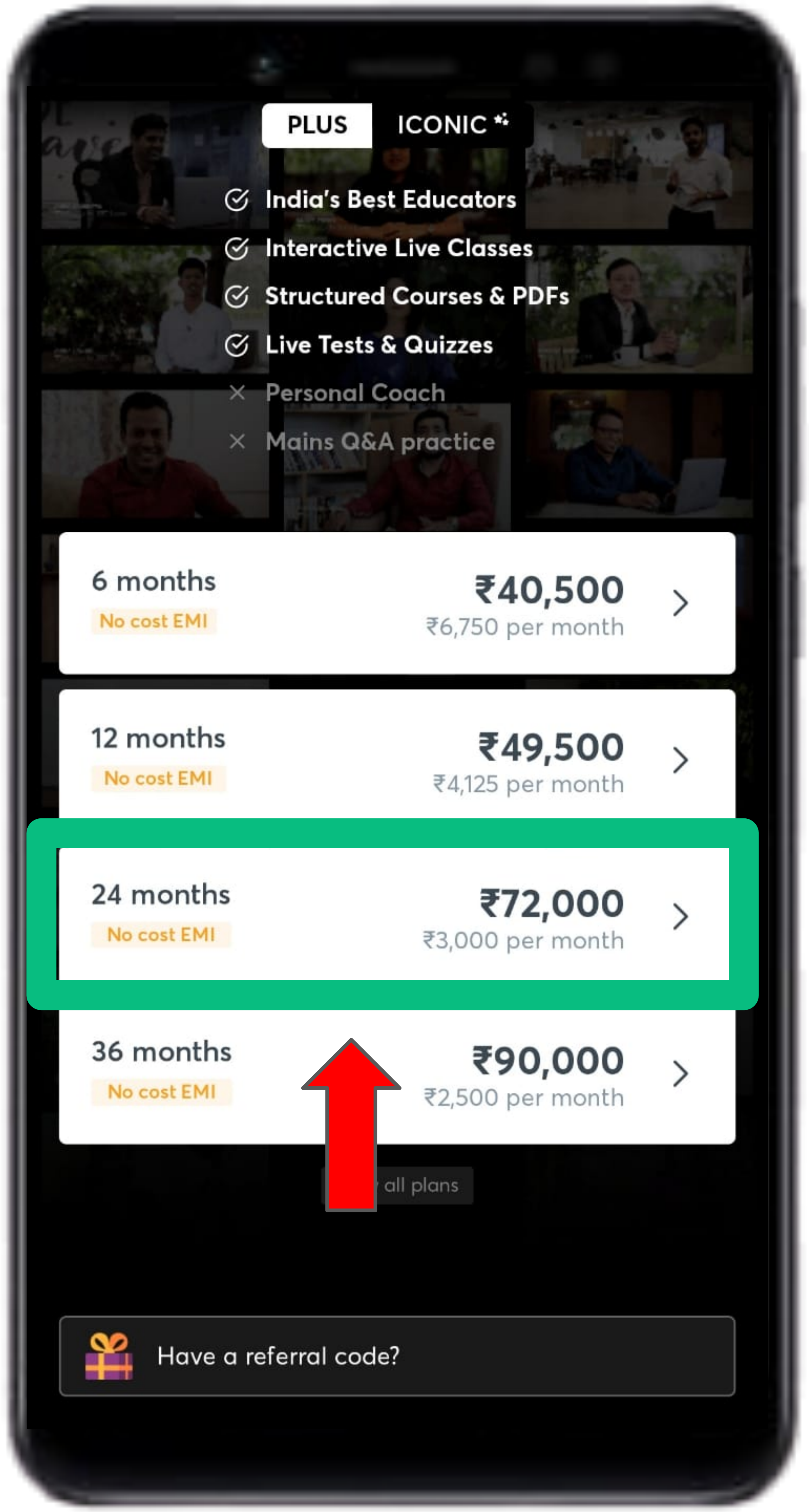

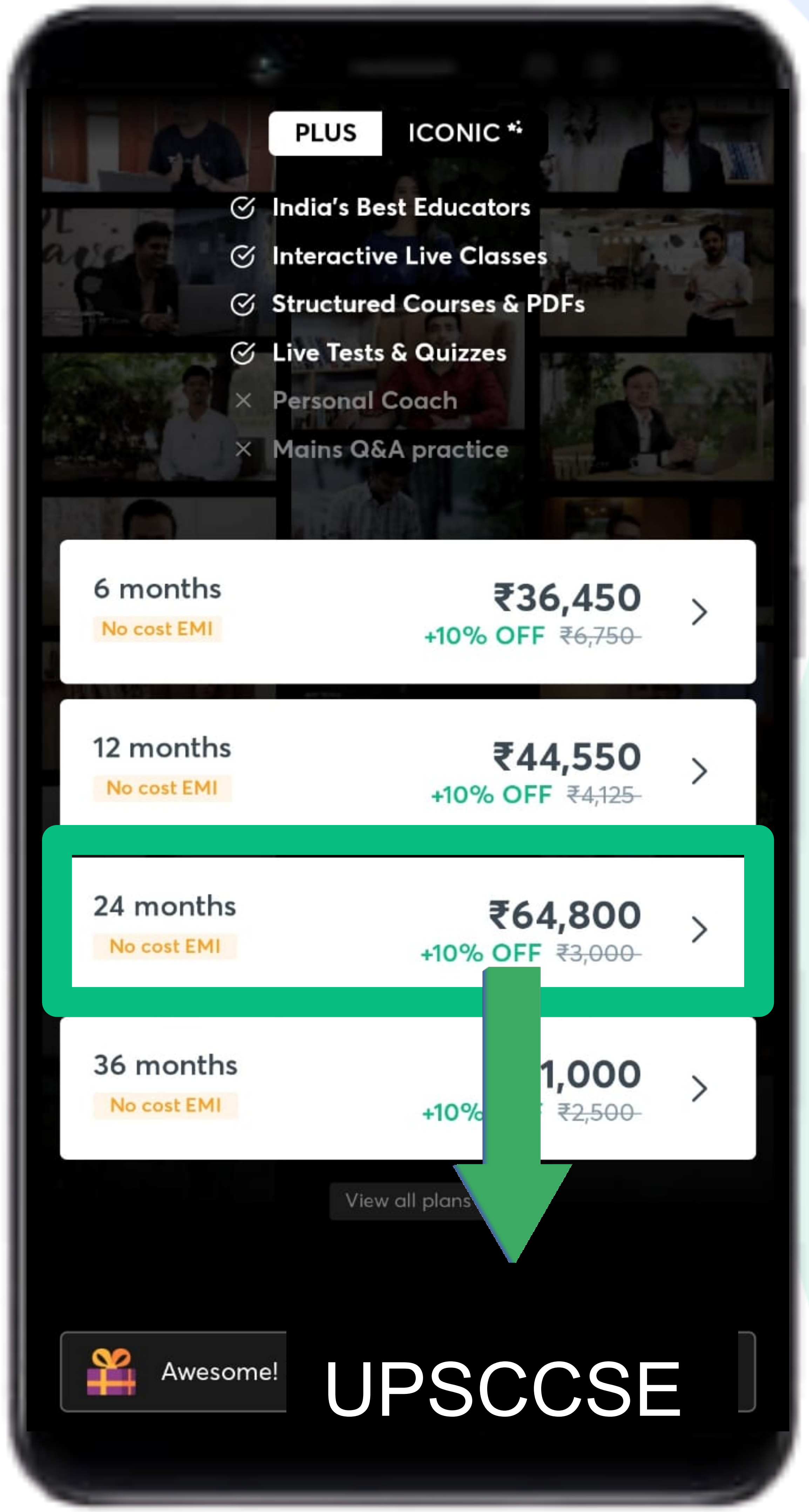

Subscribe now and Get 10% Extra Off. Apply Code - "CIVILHINDIPEDIA"

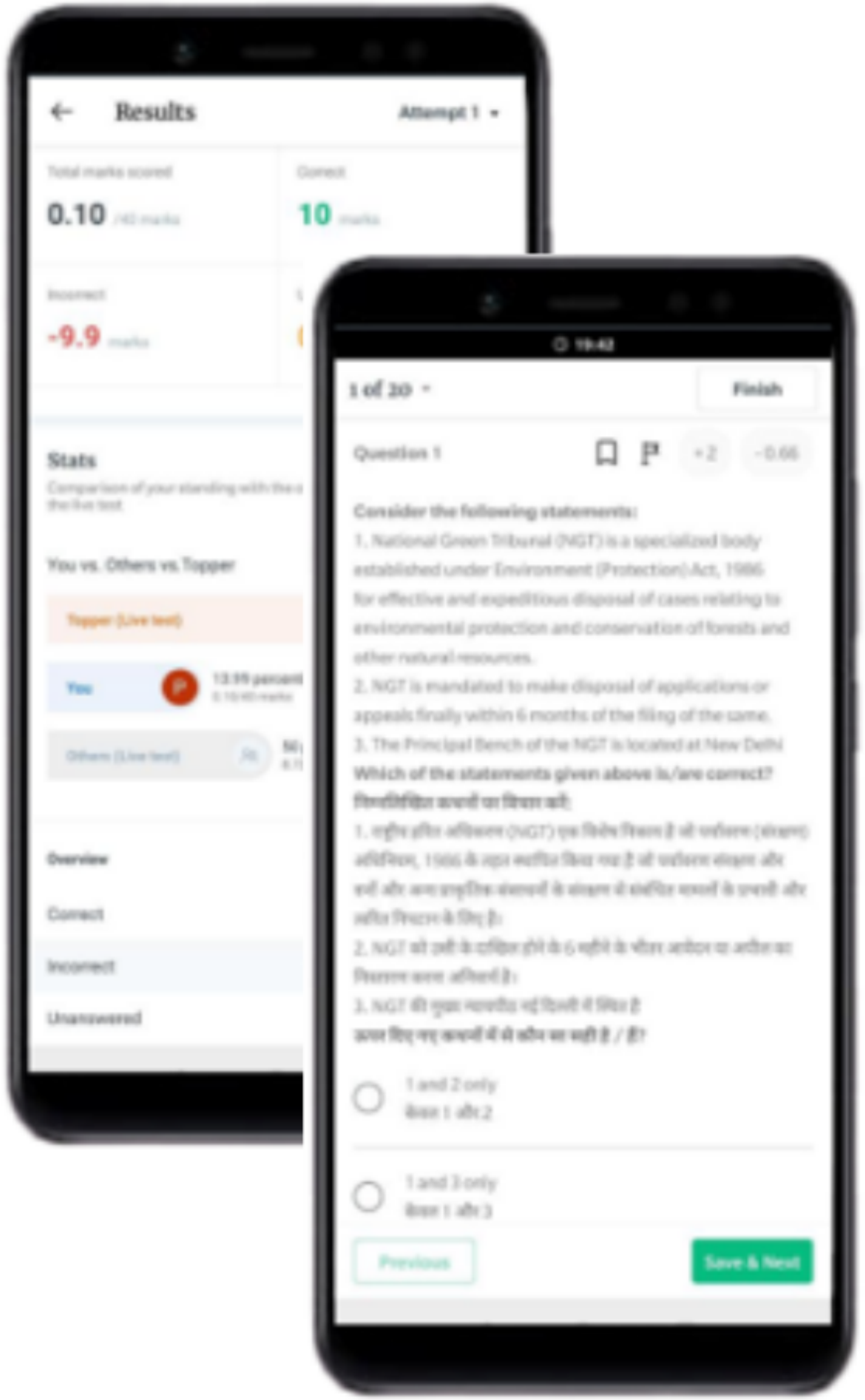

To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: CIVILHINDIPEDIA

समसामयिकी

विविध स्रोतों से

कोविड-19 भारत के मछली पालन क्षेत्र के लिए बड़े बदलाव का माध्यम साबित हो सकता है – उपराष्ट्रपति

Fisheries
Sector in
India

- उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने कहा कि कोविड-19 भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए एक बड़े बदलाव का माध्यम साबित हो सकता है क्योंकि महामारी ने लोगों को पोषक आहार की आदतें अपनाने के प्रति जागरूक किया है।

- विशाखापत्तनम में केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई)और केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईएफटी) में वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि मछली प्रोटीन का एक बड़ा स्त्रोत है और देश में कुपोषण को कम करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने स्वास्थ्य विशेषज्ञों और पोषण विशेषज्ञों से देश में लोगों और विशेषकर बच्चों को पोषक आहार के रूप में मछली के महत्व के बारे में जागरुक बनाने के लिए कहा।

- उपराष्ट्रपति ने कहा “मछली ओमेगा -3 फैटी एसिड से समृद्ध है, जो हमारे शरीर के लिए आवश्यक है और हृदय को स्वस्थ्य बनाए रखने के लिए अच्छा है। मछली के बारे में इस जानकारी को लोकप्रिय बनाने और आम आदमी तक पहुंचाने की जरूरत है।
- नायडू ने कहा कि हिमालय के स्निग्ध जलक्षेत्रों से लेकर 8000 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा तक, भारत विशाल जल संसाधनों से समृद्ध है।

- उन्होंने कहा, "ये जल क्षेत्र मछलियों की कई प्रकार की प्रजातियों से संपन्न हैं, जो कई पीढ़ियों से लाखों लोगों की आजीविका का माध्यम बनी हुई हैं।”
- उपराष्ट्रपति ने भारत के कुल मछली उत्पादन में दुनिया में दूसरे स्थान पर होने का जिक्र करते हुए कहा अभी भी देश के अंदर के जलीय क्षेत्रों तथा समुद्री क्षेत्रों का मत्स्य पालन के लिए दोहन की बहुत अधिक संभावना है।

- उन्होंने आगे कहा कि मत्स्य पालन पिछले कुछ दशकों में हमारे देश के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक शक्ति बन गया है और वर्तमान में देश के तटवर्ती क्षेत्रों में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में मछली का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है और यह क्षेत्र विदेशी मुद्रा अर्जित करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। उन्होंने भारत को मछली निर्यात के मामले में पहले स्थान पर आने का प्रयास करने का आह्वान किया।

➤ श्री नायडू ने देश में तेजी से बढ़ती आबादी और इसके साथ ही जीवों से प्राप्त होने वाले प्रोटीन की मांग बढ़ने की संभावनाएं देखते हुए कहा कि ऐसे में मछली की घरेलू आवश्यकता में काफी वृद्धि का अनुमान है जिसे देखते हुए भारत में वार्षिक मछली उत्पादन की मांग और आपूर्ति में अंतर को कम करने की जरूरत है।

- उन्होंने कहा कि मछली पालन और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की गतिविधियों मात्र से मांग को पूरा नहीं किया जा सकता है इसके लिए सामान्य समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने की गतिविधियों को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 8000 किलोमीटर के समुद्री तटवर्ती समुद्र तट क्षेत्र में मछली पकड़ने की गतिविधियों को बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए कृत्रिम रूप से बनाए गए समुद्री क्षेत्र में मछली पालन की तकनीक को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

- श्री नायडू ने कहा कि कई वर्षों से प्रजनन के लिए गुणवत्ता वाली मछली के बीजों की उपलब्धता में कमी एक बड़ी चिंता का विषय है, लेकिन शोध संस्थानों के प्रयासों ने इस समस्या को एक हद तक कम कर दिया है, लेकिन अभी भी इस क्षेत्र में नवाचार की बहुत गुंजाइश है। इसी प्रकार, उन्होंने उत्पाद की बेहतर गुणवत्ता, गुणवत्ता आश्वासन और पैकेजिंग द्वारा उच्चतम गुणवत्ता, स्थिरता और विश्वसनीयता को बनाए रखते हुए, मूल्य-संवर्धन में सुधार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

- उपराष्ट्रपति ने कहा कि न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स जैसे न्यूट्रास्युटिकल्स और सजावटी मछली पालन में निवेश करके भारतीय मछली पालन के क्षेत्र में विविधता लाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोल्ड स्टोरेज जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण करके फसल के बाद के नुकसान को कम करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उपराष्ट्रपति ने नगर निकायों से स्वच्छ और आकर्षक मछली बाजार बनाने में विशेष रुचि लेने को कहा।

➤ जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में अति बदलाव पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री नायडू ने कहा कि दुर्भाग्य से इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव समुद्रों और महासागरों पर देखा जा रहा है। इसकी वजह से कई स्थानों पर समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, समुद्र का पानी गर्म हो रहा है और उसमें अम्लीयता बढ़ रही है। इन सबका समुद्री जीवों के साथ ही मानवों पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

- ऐसा अनुमान है कि विश्व स्तर पर समुद्री क्षेत्र का मछली उत्पादन 2100 तक 6 प्रतिशत घट जाएगा उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में यह गिरावट 11 प्रतिशत तक की होगी।
- भारत में मत्स्य पालन के से जुड़े मुद्दों का तत्काल समाधान तलाशने पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने इसके त्रिस्तरीय रणनीति जैसे जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान के लिए संसाधनों का प्रबंधन और शमन; एक्वाकल्चर में नवाचार और उत्पादन क्षमता में सुधार करने के लिए बेहतर मूल्य संवर्धन और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए उत्पादन के बाद की सुविधाओं में सुधार पर जोर दिया।

- उपराष्ट्रपति ने मत्स्य पालन के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई)और एक स्वस्थ, आर्थिक रूप से व्यवहारिक और सामाजिक रूप से विकसित मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए आगामी राष्ट्रीय मत्स्य नीति जैसी कई पहल करने के लिए सरकार की सराहना की।
- श्री नायडू ने आगे चलकर मुछुआरों के लिए ऋण की सुविधा बढ़ाने, कोल्ड चेन विकसित करने और बेहतर बाजार संपर्क बनाने और फसल के बाद भंडारण, हैंडलिंग और मूल्य संवर्धन के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

- उन्होंने कहा कि मछली पालन क्षेत्र के लिए सरकारी प्रयास अनुसंधान संस्थानों को अधिक से अधिक अनुसंधान एवं विकास सहायता, मछली और झींगा पालन के लिए क्षेत्र विकसित करने तथा इसमें निजी निवेश में वृद्धि, और जलीय कृषि सम्पदाओं की स्थापना, मिलों और सहायक उद्योगों की स्थापना के रूप में होने चाहिए।

- उपराष्ट्रपति ने अनुसंधान संस्थाओं से कहा कि वह छोटे मछली उत्पादकों को नई तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें और साथ ही आम लोगों को पोषक आहार के रूप में मछली के महत्व के बारे में जागरूक बनाएं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मछली पालन आय का एक अच्छा साधन साबित होगा और लाखों लोगों को गरीबी से निजात दिलाएगा। सही मायने में यही नीली क्रांति का मुख्य उद्देश्य भी है।

- उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारी लंबी तटरेखा हमारी ताकत होनी चाहिए कमजोरी नहीं। इसके लिए क्षेत्र में भारत को समुद्री क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं की खोज करते हुए एक सुरक्षा प्रदाता के रूप में उभरने का प्रयास करना चाहिए।

केंद्रीय खेल मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने फिट इंडिया साइक्लोथॉन के दूसरे संस्करण को लॉन्च किया, उन्होंने कहा, 'साइकिल चलाना फिट रहने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने का एक शानदार तरीका है'

FIT INDIA
FIT INDIA CYCLOTHON
PEDAL YOUR WAY TO FITNESS
7th - 31st DECEMBER, 2020
Click here for more info

- केंद्रीय खेल मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से फिट इंडिया साइक्लोथॉन का दूसरा संस्करण लॉन्च किया। 7 दिसंबर 2020 से शुरू होने वाली मेगा साइकिलिंग प्रतियोगिता 31 दिसंबर 2020 तक 25 दिनों तक चलेगी। यह प्रतियोगिता देश भर में प्रत्येक जिले में आयोजित की जाएगी। देश के नागरिक फिट इंडिया की वेबसाइट पर पंजीकरण करके भाग ले सकते हैं। लोग प्रतिदिन अपनी पसंद की दूरी तय कर सकते हैं और @FitIndiaOff और #FitIndiaCyclothon तथा #NewIndiaFitIndia का उपयोग करते हुए सोशल मीडिया पर अपनी फोटो और वीडियो को साझा कर सकते हैं।

- मेगा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करते हुए, श्री रिजिजू ने ट्वीट संदेश में कहा, “फिट रहने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए साइकिल चलाना एक शानदार तरीका है। मैं आप सभी को 7 से 31 दिसंबर तक अपने परिवार और दोस्तों के साथ दूसरे फिट इंडिया साइक्लोथॉन में आमंत्रित करता हूं। आइए जुड़ते हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी PM @NarendraModi के फिटनेस का डोज़, आधा घण्टा रोज़ ’#NewIndiaFitIndia और #FitIndiaMovement” फिटनेस आह्वाहन से।

- फिट इंडिया साइक्लोथॉन के आरम्भिक संस्करण को खेल मंत्री ने गोवा के पणजी में जनवरी 2020 में शुरू किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन आउटडोर गतिविधियों में लोगों को शामिल करने के लिए और देश भर में साइकिल चलाने की संस्कृति शुरू करने के उद्देश्य से किया गया था। इस कार्यक्रम में देश भर के 35 लाख से अधिक साइकिल चालकों ने भागीदारी की थी।

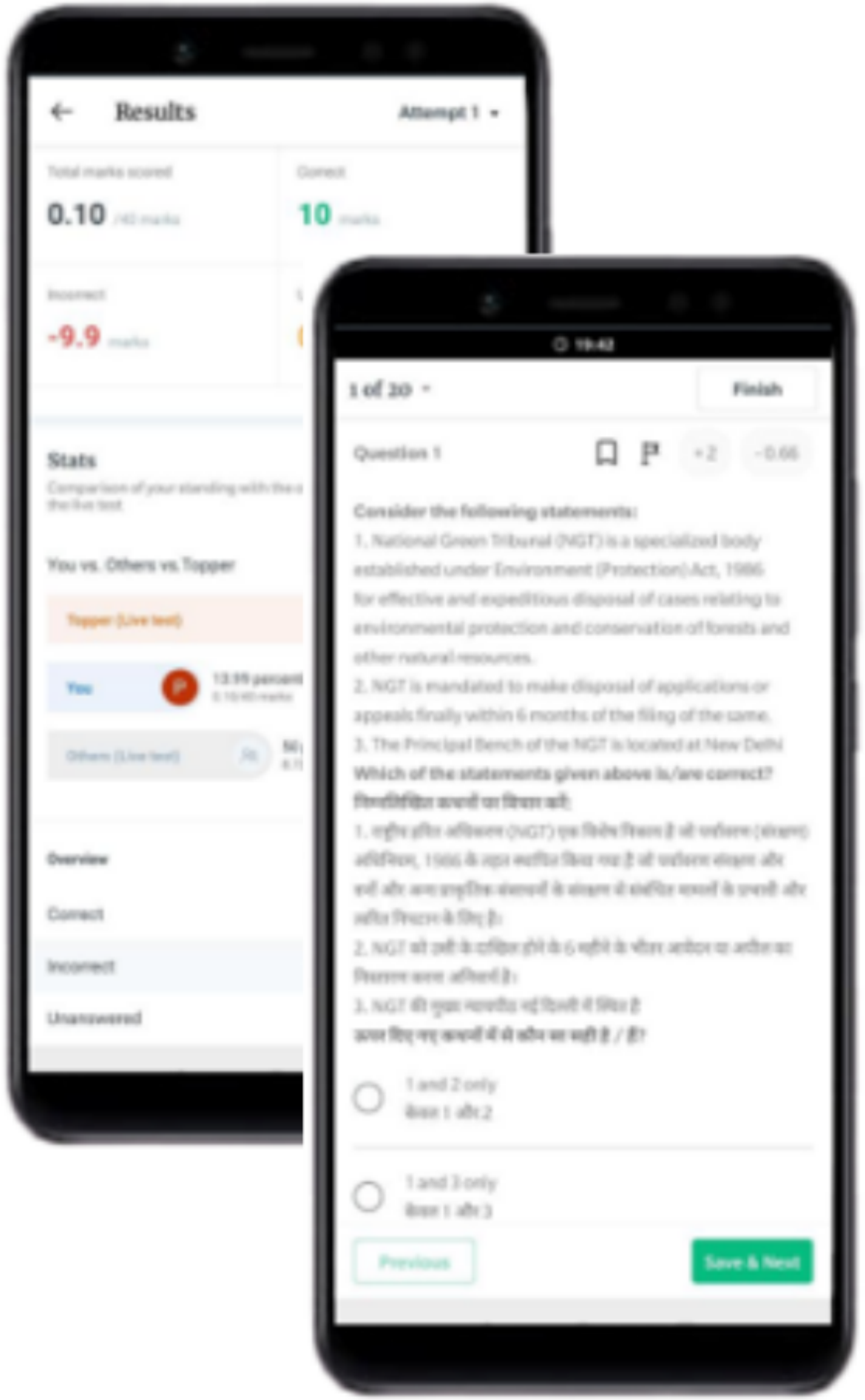

To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: CIVILHINDIPEDIA

Free Learning Platforms

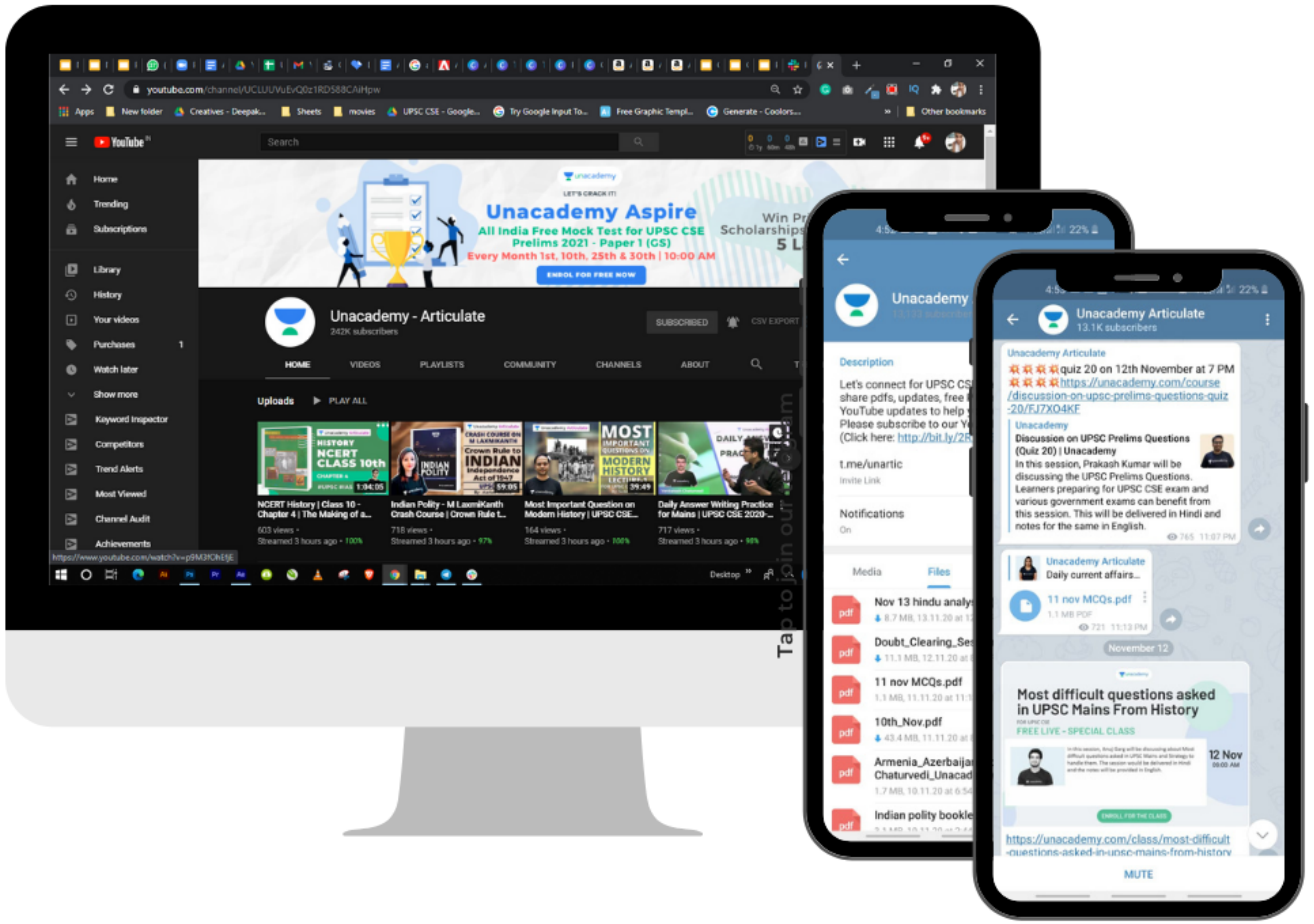

YouTube
Unacademy Articulate

- Free Live class
- Daily Current Affairs
- UPSC CSE special event notifications
- Book Summary

Telegram
Unacademy Articulate

- Free Live class notifications
- Free PDFs & study material
- Daily free Youtube session updates
- UPSC CSE special event notifications
- Free test series notifications

हम्पी मंदिर में अवस्थित पत्थर के रथ

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India- ASI) ने हम्पी के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पर विट्ठल मंदिर परिसर के अंदर पत्थर के रथ की सुरक्षा के लिये कदम उठाए हैं। ASI, पुरातात्त्विक अनुसंधान और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख संगठन है।

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India – ASI) ने हम्पी में विजय विट्ठल मंदिर के सामने प्रतिष्ठित पत्थर निर्मित रथ (chariot) को छूने अथवा उस पर चढ़ने और किसी भी तरह के नुकसान को रोकने हेतु एक चेन बैरिकेड लगा दिया है।

- ➤ ये पत्थर निर्मित रथ, हम्पी में सर्वाधिक अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक हैं और इसे अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता है।
- ➤ हम्पी रथ,भारत में पत्थर से निर्मित तीन प्रसिद्ध रथों में से एक है, अन्य दो रथ कोणार्क (ओडिशा) और महाबलीपुरम (तमिलनाडु) में हैं।इसका निर्माण 16वीं शताब्दी में विजयनगर शासक, राजा कृष्णदेवराय के आदेश पर हुआ था।यह भगवान विष्णु के आधिकारिक वाहन गरुड़ को समर्पित एक मंदिर है।

- विट्ठल मंदिर का निर्माण 15वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के शासकों में से एक देवराय द्वितीय के शासन के दौरान हुआ था।यह विट्ठल को समर्पित है और इसे विजया विट्ठल मंदिर भी कहा जाता है।विट्ठल को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है।विट्टल मंदिर दक्षिण भारतीय मंदिर वास्तुकला की द्रविड़ शैली में निर्मित है।

- चौदहवीं शताब्दी के दौरान मध्यकालीन भारत के महानतम साम्राज्यों में से एक विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हम्पी कर्नाटक राज्य में स्थित है।इसकी स्थापना हरिहर और बुक्का ने वर्ष 1336 में की थी।

  यूनेस्को (वर्ष 1986) द्वारा विश्व विरासत स्थल के रूप में वर्गीकृत, यह "विश्व का सबसे बड़ा ओपन-एयर संग्रहालय" भी है।

- हम्पी, उत्तर में तुंगभद्रा नदी और अन्य तीन ओर से पथरीले ग्रेनाइट के पहाड़ों से घिरा हुआ है। हम्पी के चौंदहवीं शताब्दी के भग्नावशेष यहाँ लगभग 26 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैले हुए हैं।
- हम्पी में मौजूद विठ्ठल मंदिर विजय नगर साम्राज्य की कलात्मक शैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। एक पत्थर से निर्मित देवी लक्ष्मी, नरसिंह तथा गणेश की मूर्तियाँ अपनी विशालता एवं भव्यता के लिये उल्लेखनीय हैं।

- यहाँ स्थित मंदिरों में कृष्ण मंदिर, पट्टाभिराम मंदिर, हजारा राम चंद्र और चंद्र शेखर मंदिर प्रमुख हैं।
- विजयनगर या "विजय का शहर" एक शहर और साम्राज्य दोनों का नाम था।साम्राज्य की स्थापना चौदहवीं शताब्दी (1336 ईस्वी) में संगम वंश के हरिहर और बुक्का ने की थी।यह उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के दूरतम दक्षिण तक फैला हुआ है।

➤ विजयनगर साम्राज्य पर चार महत्त्वपूर्ण राजवंशों का शासन था जो इस प्रकार हैं:

- संगम
- सुलुव
- तुलुव
- अराविदु

- तुलुव वंश का कृष्णदेवराय (शासनकाल 1509-29) विजयनगर का सबसे प्रसिद्ध शासक था। उनके शासन में विस्तार और समेकन की विशेषता थी।उन्हें कुछ बेहतरीन मंदिरों के निर्माण और कई महत्त्वपूर्ण दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रभावशाली गोपुरम जोड़ने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने विजयनगर के पास एक उपनगरीय बस्ती की भी स्थापना की, जिसे नागालपुरम कहा जाता था। उन्होंने तेलुगु में अमुक्तमलयद (Amuktamalyada) के नाम से जाने जाने वाले शासन कला के ग्रंथ की रचना की।

- द्रविड़ शैली-
- कृष्णा नदी से लेकर कन्याकुमारी तक द्रविड़ शैली के मंदिर पाए जाते हैं।द्रविड़ शैली की शुरुआत 8वीं शताब्दी में हुई और सुदूर दक्षिण भारत में इसकी दीर्घजीविता 18वीं शताब्दी तक बनी रही। द्रविड़ शैली की पहचान विशेषताओं में- प्राकार (चहारदीवारी), गोपुरम (प्रवेश द्वार), वर्गाकार या अष्टकोणीय गर्भगृह (रथ), पिरामिडनुमा शिखर, मंडप (नंदी मंडप) विशाल संकेन्द्रित प्रांगण तथा अष्टकोण मंदिर संरचना शामिल हैं।द्रविड़ शैली के मंदिर बहुमंजिला होते हैं।पल्लवों ने द्रविड़ शैली को जन्म दिया, चोल काल में इसने उँचाइयाँ हासिल की तथा विजयनगर काल के बाद से यह ह्रासमान हुई।

बांग्लादेश और भूटान के मध्य व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर

Nepal
Bhutan
India
Brahmaputra
Ganges
India
Bangladesh
Dhaka
Chittagong
Bay of Bengal
Myanmar

- दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण के प्रयासों की हमेशा से बहुत जरूरत रही है। भारत के लिए ऐसे प्रयासों का विशेष महत्व रहा है। हाल ही में बांग्लादेश और भूटान जैसे महत्वपूर्ण दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर होना एक सकारात्मक कदम है ।

- दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूती देने के लिए प्रेफ्रेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट यानी वरीयता मूलक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भूटान पहला देश है जिसके साथ बांग्लादेश ने 1971 के बाद से कोई वरीयता मूलक व्यापार समझौता किया है।

- दूसरे शब्दों में 1971 के बाद बांग्लादेश ने पहली बार किसी देश के साथ पी टी ए पर हस्ताक्षर किया है। 6 दिसंबर , 1971 को भूटान पहला देश था जिसने बांग्लादेश की स्वतन्त्रता के बाद उसे मान्यता प्रदान किया था । इसके बाद भारत दूसरा देश था जिसने बांग्लादेश को एक नए देश के रूप में राजनीतिक कूटनीतिक मान्यता प्रदान की थी । इसी ऐतिहासिक दिन की याद में 6 दिसंबर , 2020 को दोनों देशों ने पी टी ए पर हस्ताक्षर किया । दोनों देश अपने कूटनीतिक संबंधों की 50 वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं।

- वरीयता मूलक अथवा तरजीही व्यापार समझौते के अनुसार 100 बांग्लादेशी वस्तुओं को भूटान के बाजार में सीमाशुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी । वहीं 34 भूटानी उत्पादों को बांग्लादेश के बाजार में ड्यूटी फ्री एक्सेस मिलेगा । भूटान के जिन उत्पादों को बांग्लादेश के बाज़ार में व्यापार करने के लिए तरजीही छूट मिलेगी उसमें शामिल हैं : संतरे ,सेब,अदरक,फलों के जूस,दूध ,प्राकृतिक शहद,आटा,लकड़ी के फर्नीचर आदि।

आकाशवाणी सार

ये आकाशवाणी है....

- आयुष उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा आयुष मंत्रालय ने निर्यात संवर्द्धन परिषद के गठन का निर्णय किया है। उद्योग और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल तथा आयुष मंत्री श्रीपद नाईक ने आयुष व्यापार और उद्योग की संयुक्त समीक्षा के बाद यह फैसला किया। समीक्षा में यह भी निर्णय किया गया कि आयुष के क्षेत्र में निर्यात बढ़ाने के लिए मूल्य और गुणवत्ता को प्रतिस्पर्धी बनाने पर दोनों मंत्रालय मिलकर काम करेंगे।

- यह समीक्षा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई जिसमें आयुष के व्यापार और उद्योग से जुडे लगभग पचास प्रतिनिधि शामिल हुए। आयुष क्षेत्र के लगभग दो हजार हितधारकों ने भी इस समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया।***

- सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII) ने देश में ही तैयार की गयी कोविड वैक्सीन, कोविशील्ड की आपातकालीन मंज़ूरी का आवेदन किया है। SII के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा है कि यह टीका बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाएगा।
- इंस्टीट्यूट ने भारत के औषधि महानियंत्रक को भेजे गये अपने आवेदन में कहा है कि महामारी की मौजूदा स्थिति और लोगों की चिकित्सा संबंधी जरूरतों के मद्देनज़र आपात मंज़ूरी की ज़रूरत है। इससे पहले फाइज़र कम्पनी भी ऐसा ही आवेदन कर चुकी है। ***

- वयोवृद्ध हिंदी लेखक मधुकर गंगाधर का कल दिल्ली में निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। उनका जन्म 7 जनवरी 1932 को बिहार के पूर्णिया जिले में हुआ था। उन्होंने आकाशवाणी के पटना केंद्र में काम किया और बाद में वे नई दिल्ली में आकाशवाणी के उप महानिदेशक के पद पर रहे। वे लेखक भी थे और 'मोतियों वाले हाथ', 'हीरा की आंखें' और 'हवा में तीस बरस' उनकी कुछ प्रमुख कृतियां हैं।***

unacademy

LET'S CRACK IT!

Unacademy Live Quiz

Topic: International Relations

Code: 814043

Subscribe to Unacademy Plus

For 10% OFF Use Code

CIVILHINDIPEDIA

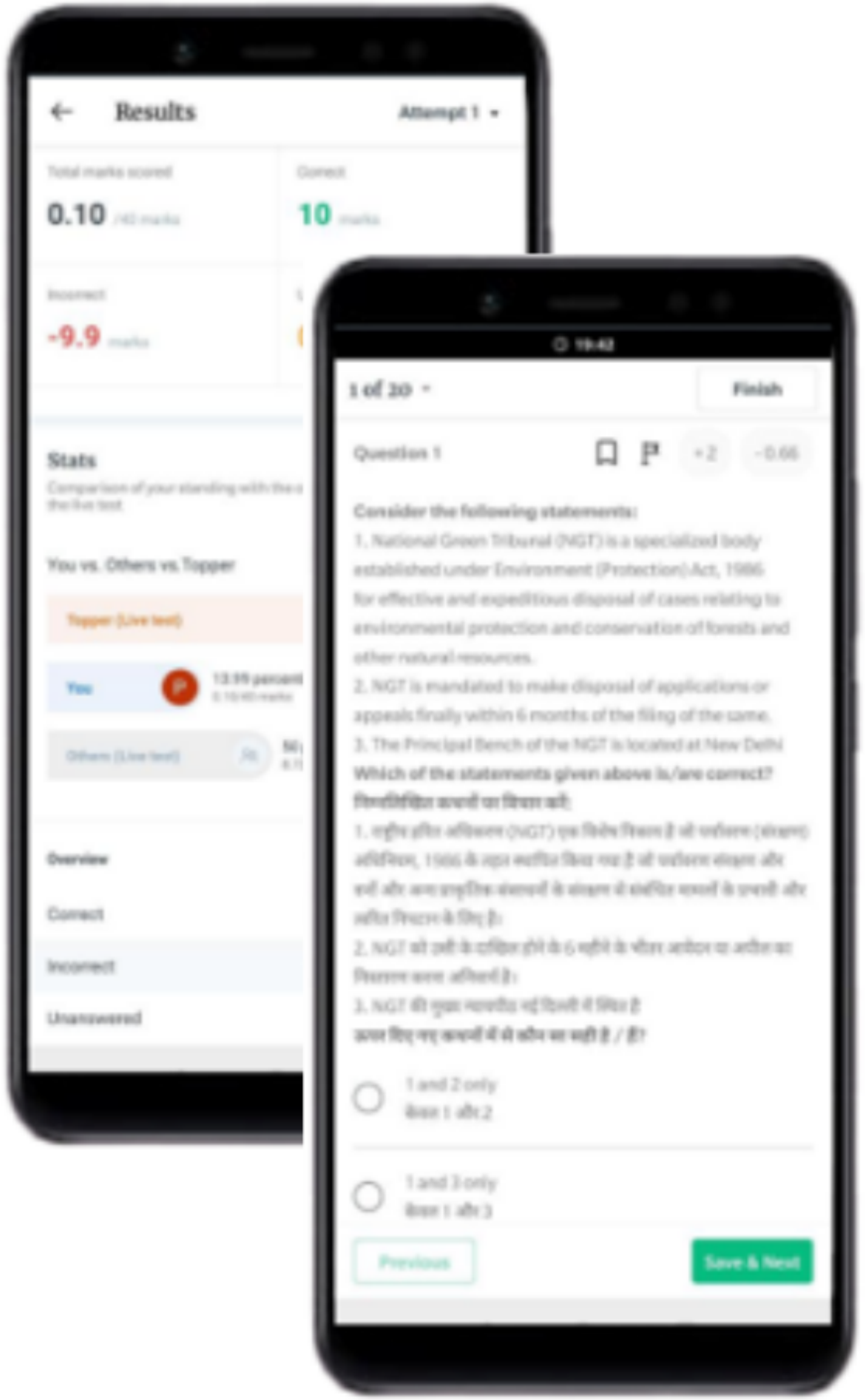

To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: CIVILHINDIPEDIA

Plus UPSC CSE Subscription

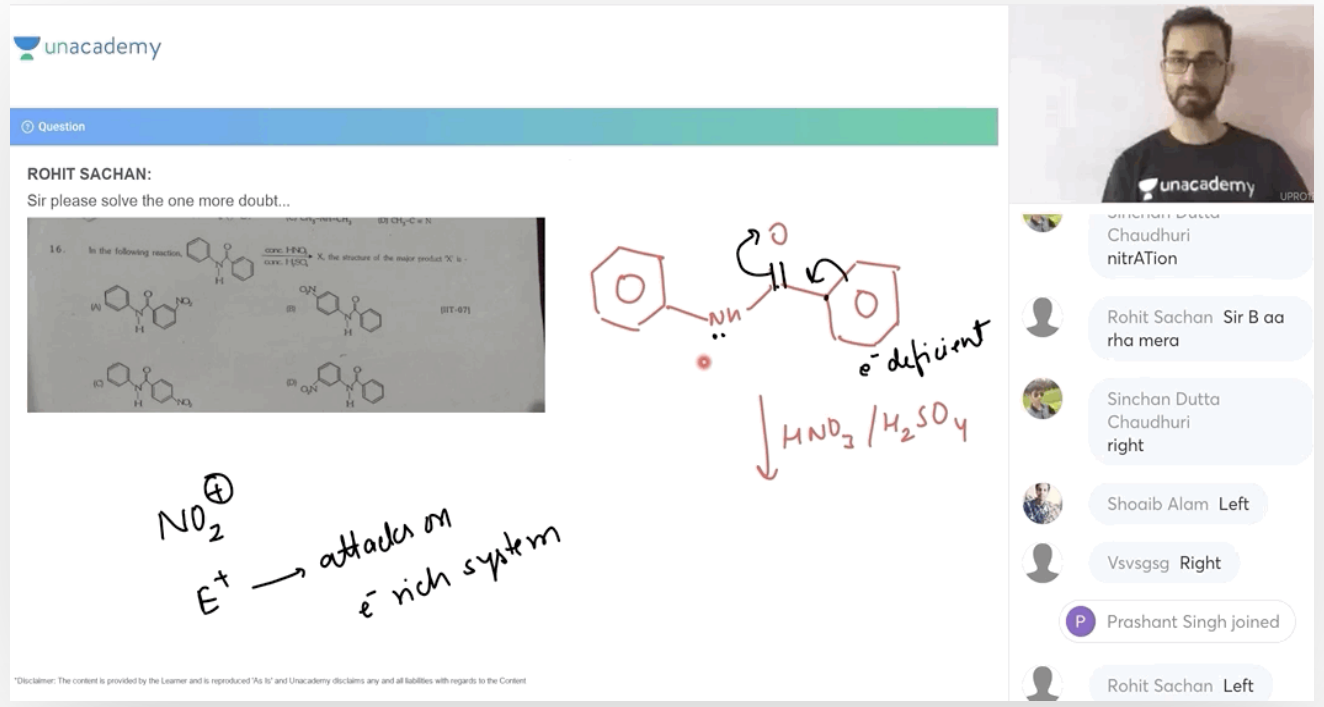

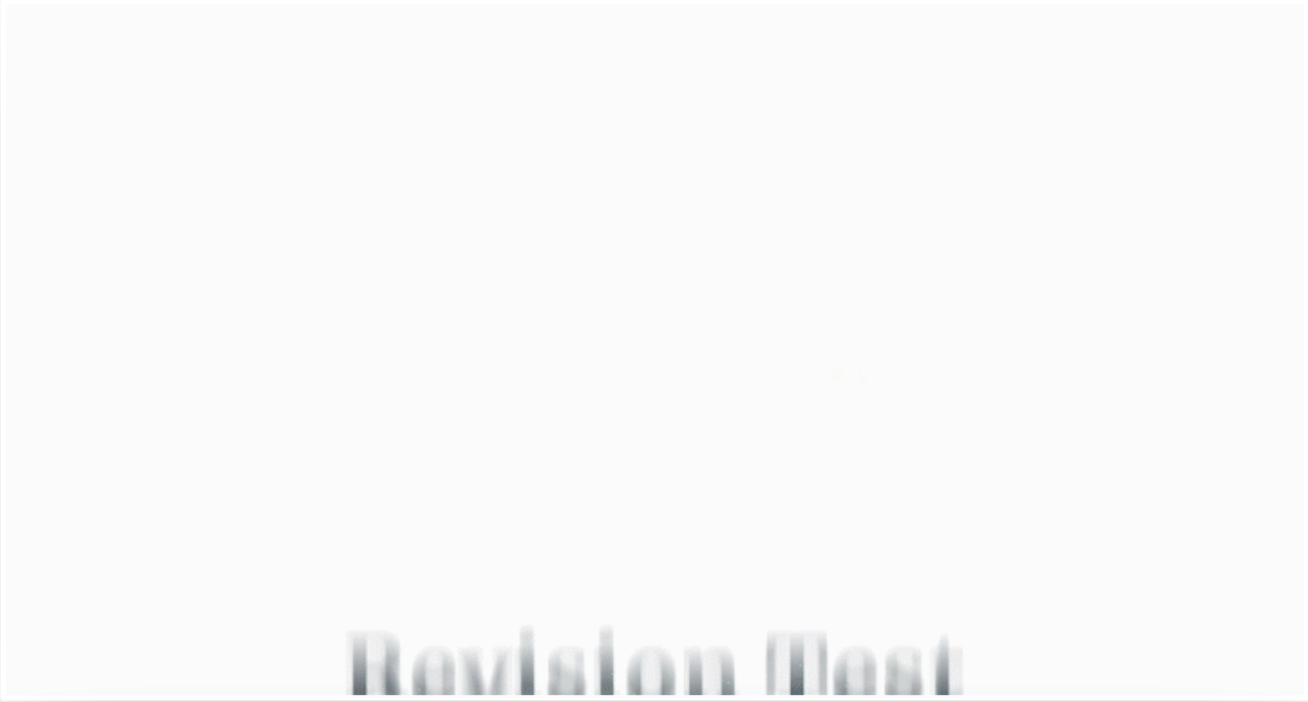

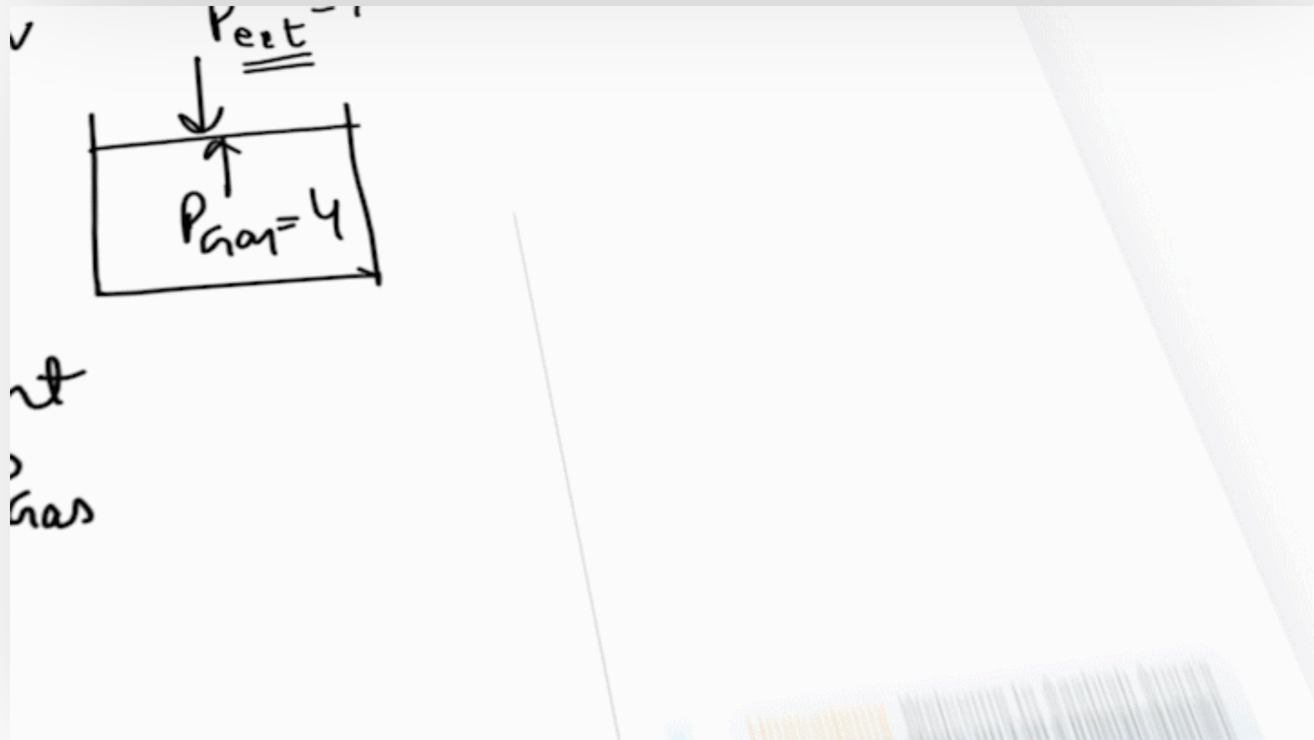

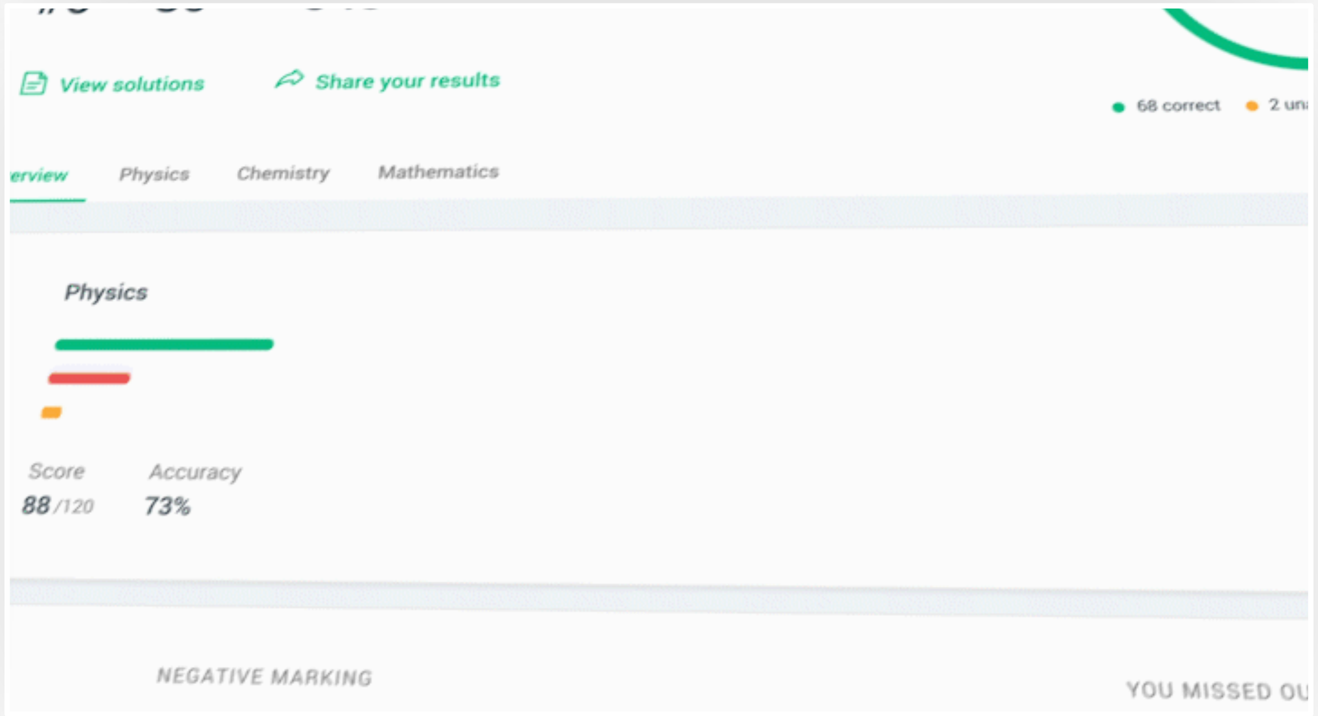

- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

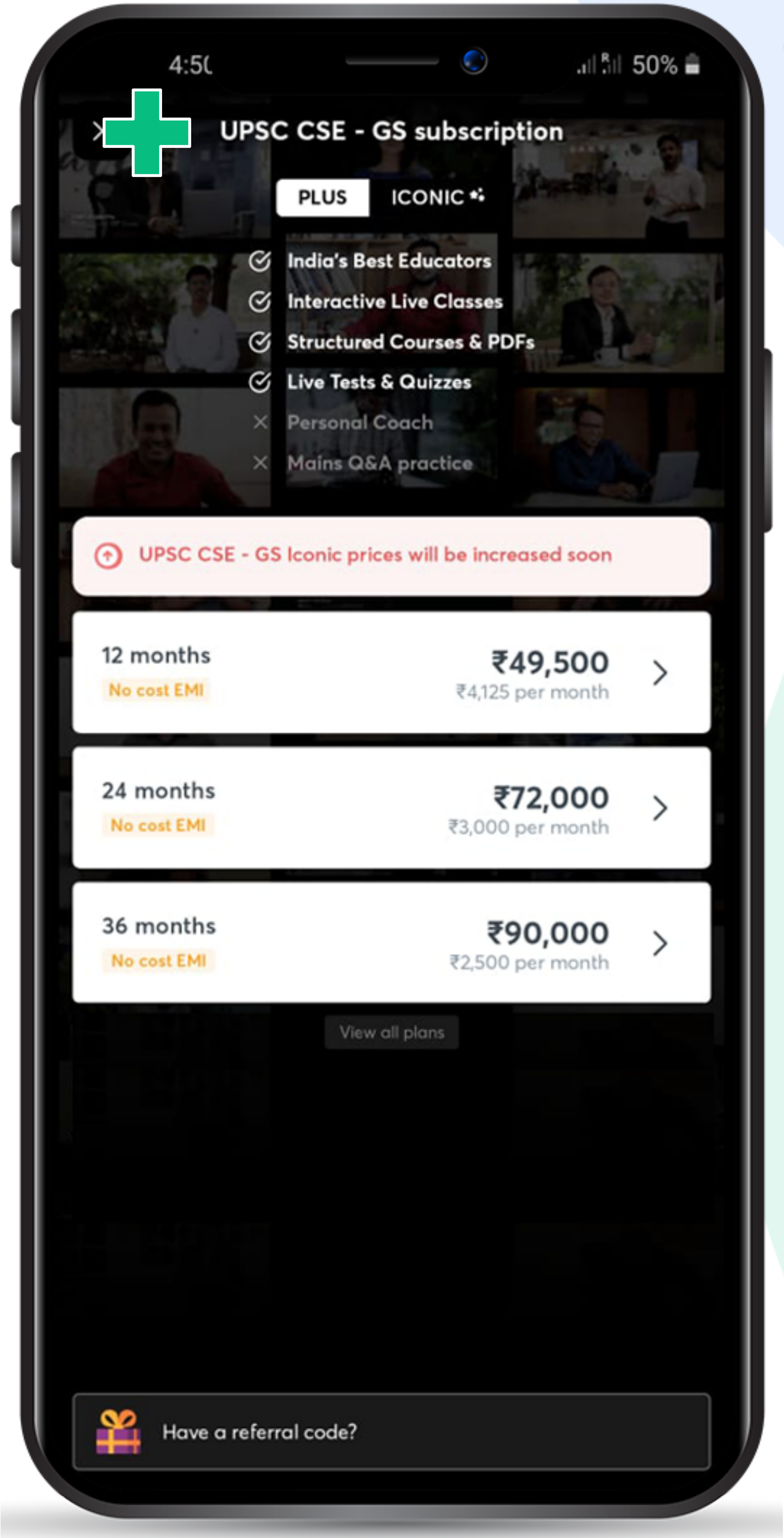

Iconic UPSC CSE Subscription

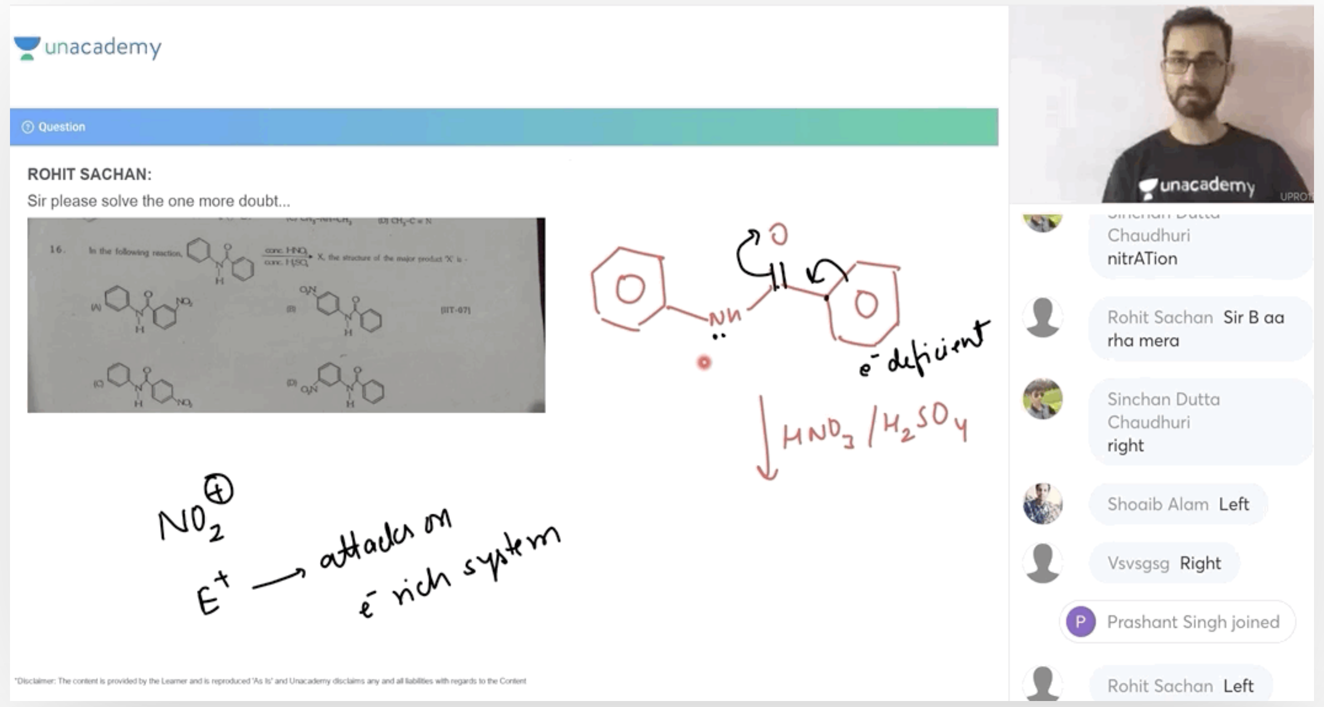

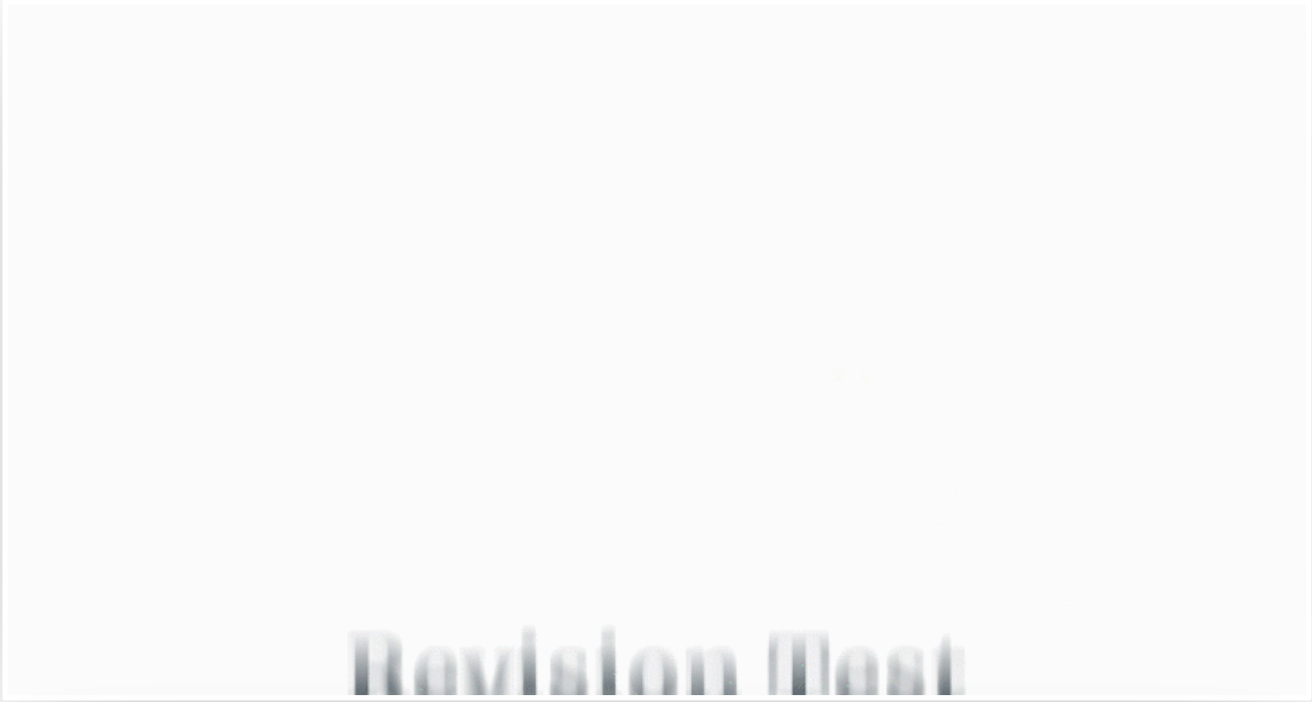

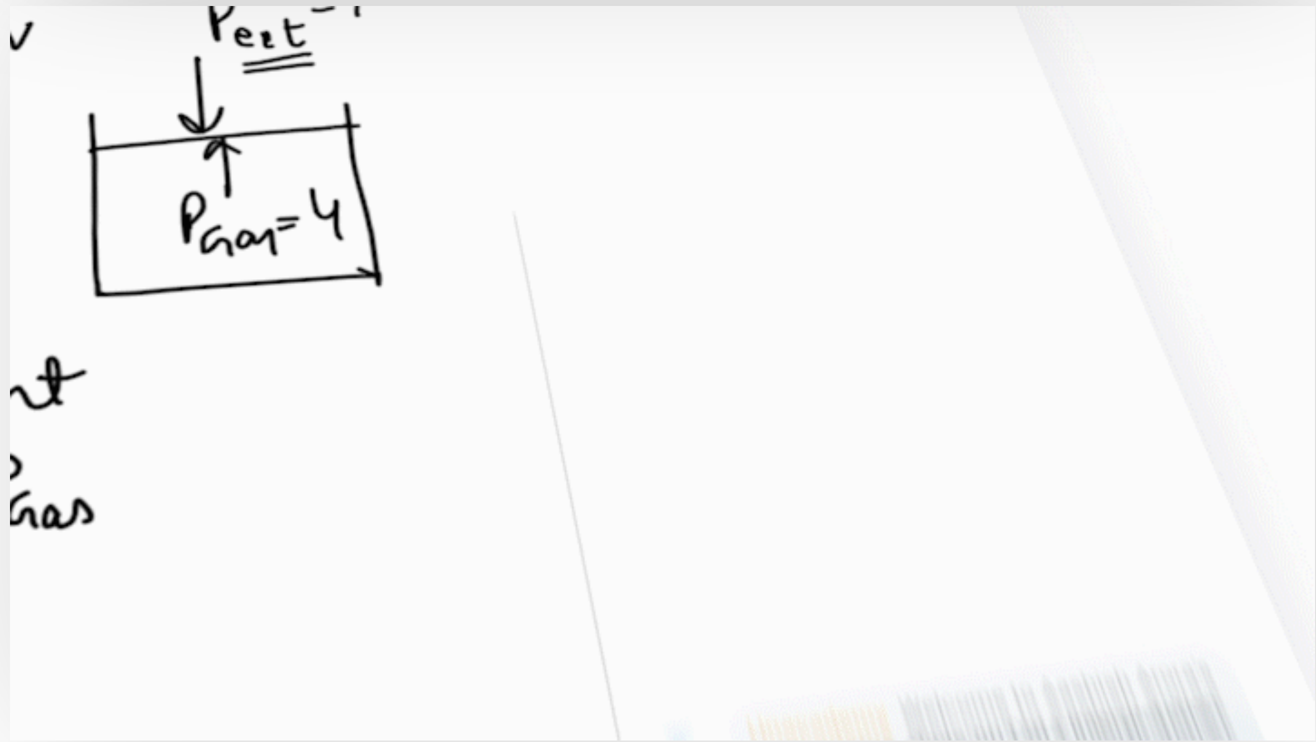

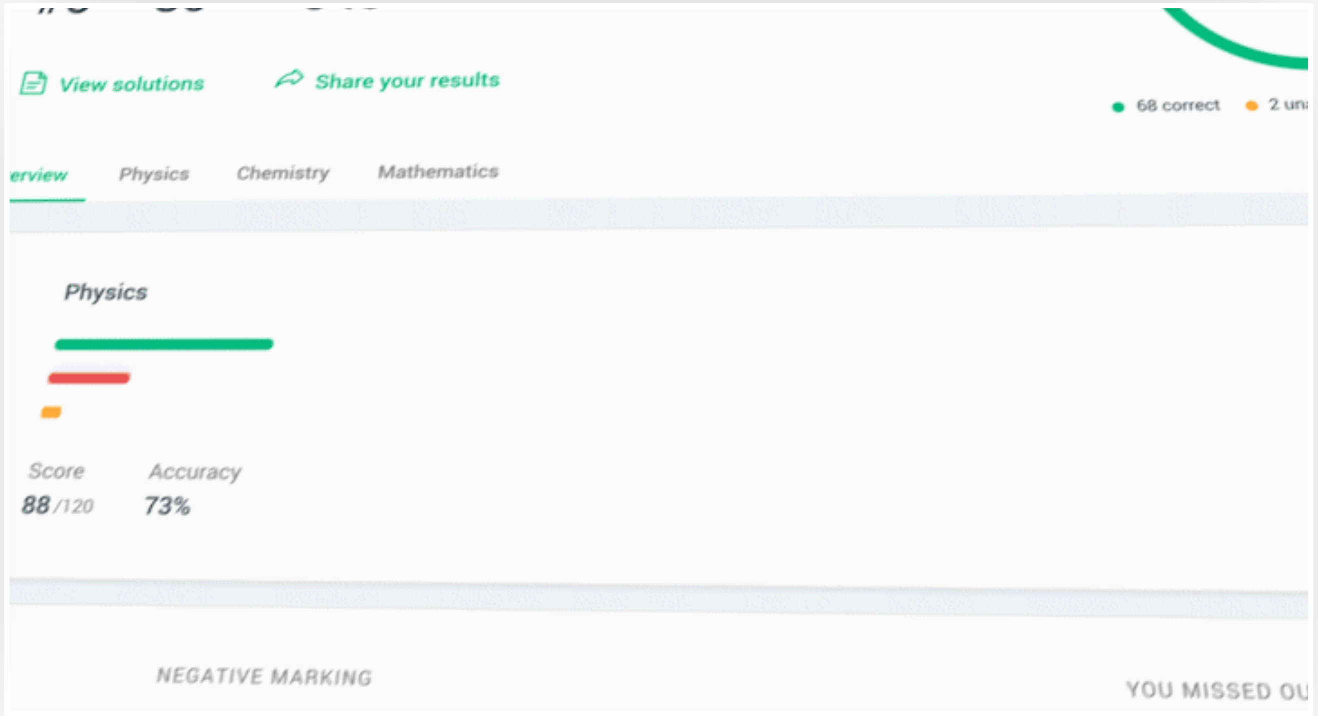

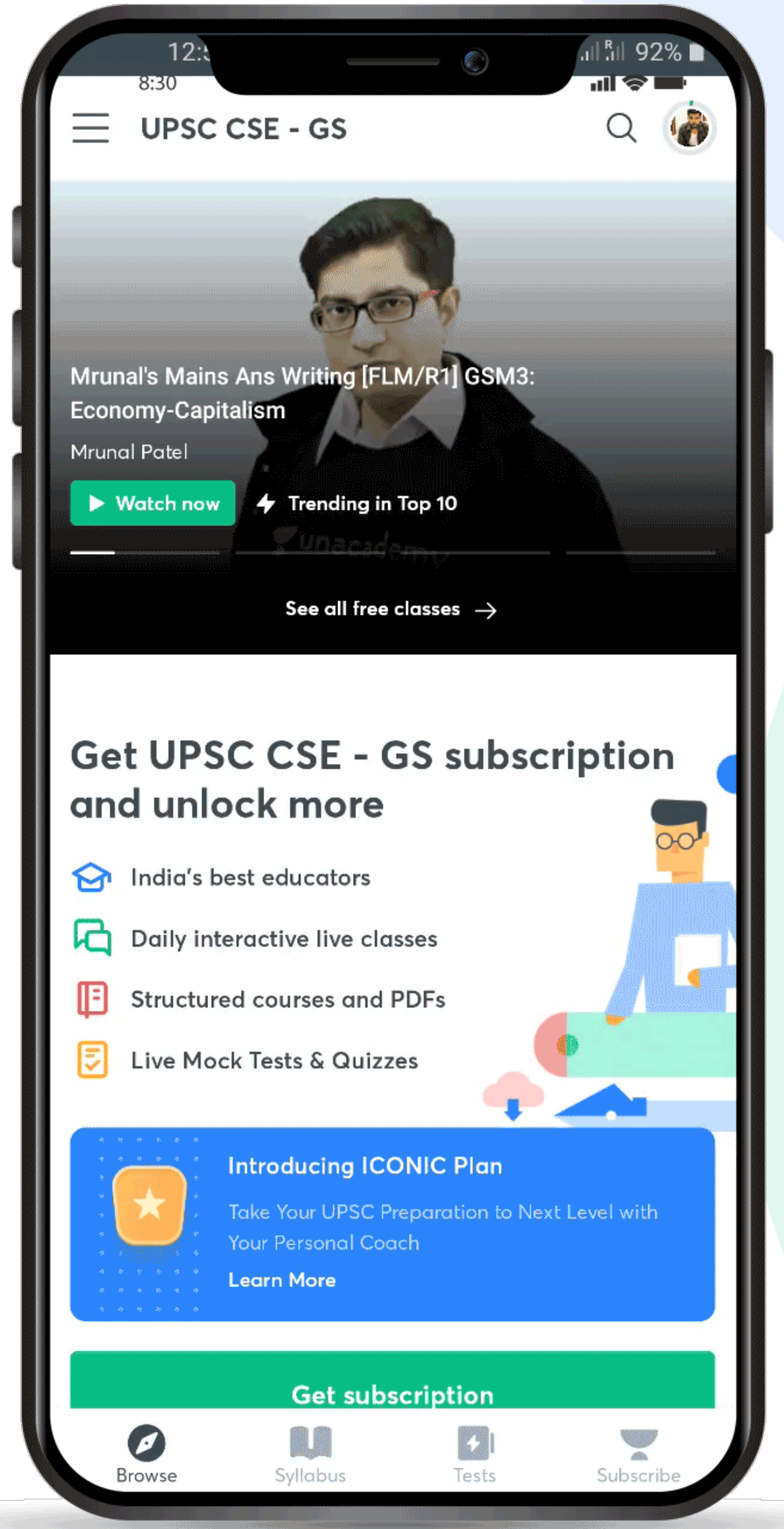

- **Personal Coach**
- **LIVE Class Environment**
- **LIVE Polls & Leaderboard**
- **LIVE Doubt Solving**
- **LIVE Interaction**

For a massive 10% Discount

Use Code **CIVILHINDIPEDIA**

CIVILHINDIPEDIA

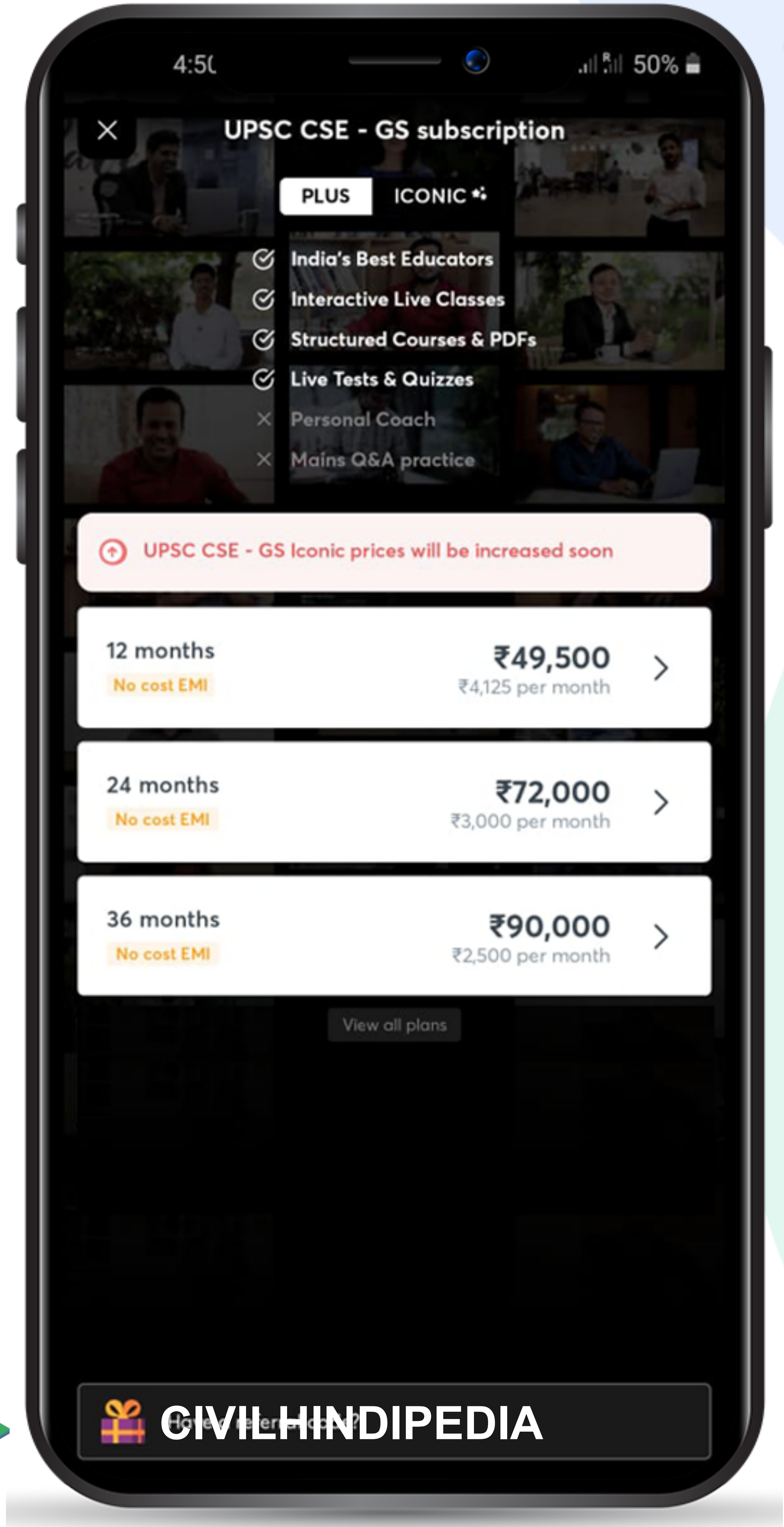

Thank You